सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 128 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 19 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### राज्यपाल ने शिवाजी महाराज को किया नमन

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका ने आज छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया। उन्होंने समस्त देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। तात्यापारा में शिवाजी की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन और माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। राज्यपाल ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने सीमित संसाधनों के बावजूद अदम्य साहस, दूरदृष्टि और संगठन क्षमता के बल पर एक सुदृढ़ एवं लोककल्याणकारी राज्य की स्थापना की। उनका प्रशासनिक ढांचा न्याय, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व पर आधारित था।

### होली पर राहत, 1410 से अधिक स्पेशल ट्रेनें

**रायपुर।** होली के मद्देनजर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने 1,410 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। रोजगार और पढ़ाई के सिलसिले में बाहर रह रहे लोगों को त्योहार पर घर पहुंचाने के लिए यह बड़ा कदम उठाया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से 15 होली स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। स्पेशल ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे, जिनमें 1 एसएलआर, 2 सामान्य, 4 स्लीपर, 7 एसी थ्री और 7 एसी थ्री इकोनॉमी कोच शामिल हैं। रेलवे को उम्मीद है कि इससे त्योहार के दौरान यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

### आप सरपंच की हत्या से दहला पंजाब

**तरनतारन।** पंजाब के तरन तारन में एक शादी समारोह के दौरान अज्ञात हमलावरों ने आम आदमी पार्टी (आप) के एक सरपंच की एके 47 से गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना अमृतसर जिले के वल्टोहा गांव के एक अन्य सरपंच एवं आम आदमी पार्टी के नेता झरमल सिंह की एक शादी समारोह के दौरान गोली मारकर हत्या किए जाने के लगभग एक माह बाद हुई है।

### लाल किले के पीछे मिली जेएंडके की संदिग्ध कार

**नई दिल्ली।** दिल्ली में उस वक्त पुलिस व खुफिया एजेंसियों में हड़कंप मच गया, जब लाल किले के पीछे एक जम्मू-कश्मीर नंबर की एक संदिग्ध कार खड़ी मिली। इस कार में दो युवक पुलवामा के थे। इनमें से एक के पास से एनआईए का नकली कार्ड भी बरामद हुआ है। दोनों से पूछताछ जारी है।

### न बारिश न ठंड फिर विजिबिलिटी हुई कम

**रायपुर।** मौसम विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान में अगले 7 दिनों और अधिकतम तापमान में 5 दिनों तक कोई खास परिवर्तन नहीं होगा।

## मां महामाया की नगरी रतनपुर के कुंड और बूढ़ा महादेव सरोवर में 8 कछुओं की संदिग्ध मौत, शिकार की आशंका...

श्रीकंचनपथ समाचार

**बिलासपुर।** धार्मिक नगरी रतनपुर स्थित महामाया मंदिर परिसर के कुंड और बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर के तालाब में कछुओं की रहस्यमयी मौत से सनसनी फैल गई है। बुधवार सुबह बूढ़ा महादेव मंदिर के पास स्थित तालाब में एक साथ 8 कछुओं के शव पानी में तैरते मिले। इससे पहले महामाया मंदिर कुंड में भी 2 कछुओं की मौत हो चुकी है। बीते छह दिनों में कुल 10 कछुओं की मौत ने वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है। विभाग पता कर रहा है कि कछुओं के साथ ऐसी हरकतें कौन कर रहा है।

दो कछुओं की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आ चुकी है, जिसमें अंदरुनी चोट के निशान पाए गए हैं। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि कछुओं को लाठी या किसी भारी वस्तु से पीट-पीटकर मारा गया है। मृत कछुओं की उम्र लगभग चार से पांच महीने बताई जा रही है।

ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम

मौके पर पहुंची और शवों को बाहर निकालकर जांच शुरू की। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। विभाग की टीम मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा मंदिर प्रबंधन और सुरक्षा कर्मियों से पूछताछ की जा रही है।

### संरक्षित वन्यजीव है कछुआ

वन अधिकारियों के अनुसार कछुए अनुसूची-एक के संरक्षित वन्यजीव हैं, जिनकी हत्या गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। यदि शिकार या सुनियोजित हत्या की पुष्टि होती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया है और छानबीन की जा रही है।

लगातार हो रही इन घटनाओं से क्षेत्र में आक्रोश और चिंता का माहौल है। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें, ताकि संरक्षित वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

## चुनरी-माला-गोबर मिट्टी : बोरसी के बाद अब केलाबाड़ी स्कूल में तंत्र-मंत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** बोरसी के बाद अब दुर्ग के केलाबाड़ी स्थित शासकीय प्राइमरी एवं मिडिल स्कूल परिसर में तंत्र-मंत्र और तोड़फोड़ हुई है। असामाजिक तत्वों ने स्कूल का बाउंड्रीवॉल तोड़कर परिसर में प्रवेश किया और क्लासरूम में लगे पंखे-लाइट तोड़ने के साथ टेबल-कुर्सियों को आग के हवाले कर दिया।

एक सप्ताह पहले भी स्कूल के क्लासरूम के बाहर चुनरी, माला और गोबर-मिट्टी से तंत्र-मंत्र जैसे निशान बनाए गए थे। क्लासरूम के अंदर भी इसी तरह के चिन्ह पाए गए थे। शिक्षकों ने उस समय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन इसके बावजूद घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं।

सितम्बर 2025 में भी स्कूल में तंत्र मंत्र की घटना सामने आई थी। सुबह स्कूल खुलने पर बच्चों ने चारों तरफ खून बिखरा देखा। इनके बीच में एक मृत कोयल पड़ी थी। पास ही सिंदूर बिखरा

हुआ था और नींबू पड़ा था। तांत्रिक क्रिया की आशंका से शाला प्रबंधन ने बैगा बुलाकर झाड़फूंक और अनुष्ठान भी करवाया था। लगभग पांच माह की शांति के बाद अब दोबारा उपद्रव शुरू हो गया है। अब इसमें स्कूल की संपत्ति को नुकसान पहुंचा शामिल हो गया है।

इस बार बदमाशों ने मिडिल स्कूल के बाद प्राइमरी स्कूल को निशाना बनाया। क्लासरूम में रखी टेबल-कुर्सियों के साथ महत्वपूर्ण दस्तावेजों को जला दिया गया। बिजली के बोर्ड, पंखे और लाइटें क्षतिग्रस्त कर दी गईं, वहीं बोरवेल का केबल भी जला दिया गया। इससे पहले बोरसी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल में भी तंत्र-मंत्र से जुड़ी घटना सामने आ चुकी है।

केलाबाड़ी स्कूल परिसर में कक्षा पहली से आठवीं तक की पढ़ाई होती है। लगातार हो रही घटनाओं से छोटे बच्चों में डर का माहौल है और पढ़ाई प्रभावित हो रही है। शिक्षक भी स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

शिक्षकों के अनुसार, स्कूल की बाउंड्रीवॉल तोड़ दी गई है, जिससे असामाजिक तत्व आसानी से अंदर प्रवेश कर रहे हैं। कई बार क्लासरूम के ताले तोड़कर फर्नीचर तोड़ा जा चुका है।

घटना से परेशान शिक्षकों ने पद्मनाभपुर थाने में दोबारा शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है।

### तंत्र मंत्र और कोयल की बलि से सहमे शिक्षक-विद्यार्थी

सितंबर 2025 में इसी सरकारी स्कूल में तंत्र-मंत्र करने के बाद कोयल की बलि देने जैसी घटना हुई थी। सुबह स्कूल खुलते ही प्रबंधन और बच्चे खून से सना पक्षी, नींबू और सिंदूर देख दहशत में आ गए। प्रिंसिपल ऑफिस के ठीक सामने तंत्र क्रिया की गई थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

## नाटक देखकर लौट रही नाबालिग से गैंगरेप, गला घोंटकर जंगल में फेंका

श्रीकंचनपथ समाचार

**जशपुर।** छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में नाटक कार्यक्रम देखकर घर लौट रही 17 साल की नाबालिग से 2 युवकों ने गैंगरेप किया है। उसके बाद गला घोंटकर उसे अधमरी हालत में जंगल में फेंक दिया। देर रात राहगीरों ने उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाया। पीड़िता को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। मामला बागबहार थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, 16 फरवरी की रात नाबालिग नाटक देखकर पैदल घर वापस जा रही थी। इसी दौरान 2 युवक उसे घर पहुंचा देंगे कहकर अपनी बाइक पर बैठा लिया। उसे जबरजस्ती जंगल की तरफले गए, जहां दोनों युवकों ने बारी-बारी से जबरन दुष्कर्म किया। यह बात पीड़िता ने अपनी मां को बताई है।

घर नहीं लौटने पर पीड़िता के परिजन और रिश्तेदार उसकी खोजबीन कर रहे थे। इस बीच 17 फरवरी की रात बिजली सब स्टेशन रोड के पास नाबालिग बेहोशी की हालत में पड़ी थी। ग्रामीणों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। शुरुआती जांच के बाद स्वास्थ्यकर्मियों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सिविल अस्पताल पत्थलगांव रेफर किया।

बेहतर इलाज के लिए पीड़िता को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने 18 फरवरी को आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। संदिग्धों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस का कहना है कि, आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

## चिरायु योजना : एम्स में 3 जन्मजात बधिरों का सफल कॉक्सलियर इंप्लांट

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम 'चिरायु' के तहत जन्मजात बधिरता से जूझ रहे तीन बच्चों का सफल कॉक्लियर इंप्लांट अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर में किया गया। समय पर स्क्रीनिंग और समन्वित प्रयासों से इन बच्चों को नि:शुल्क उन्नत उपचार उपलब्ध हो सका। वर्तमान में तीनों बच्चे स्वस्थ हैं और चिकित्सकीय निगरानी में हैं।

कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिलमखोदरा निवासी धैर्य मरकाम (पिता- श्यामू मरकाम) में जन्म से श्रवण बाधा थी। चिरायु टीम द्वारा नियमित स्क्रीनिंग के दौरान समस्या की पहचान कर आवश्यक परीक्षण एवं रेफरल प्रक्रिया पूरी की गई। 16 फरवरी 2026 को एम्स रायपुर में उनका कॉक्लियर इंप्लांट सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इसी तरह कोरबा जिले के

बालको क्षेत्र निवासी ढाई वर्षीय नक्ष कोशले की श्रवण समस्या भी प्रारंभिक जांच में सामने आई। विशेषज्ञ परामर्श के बाद 14 फरवरी 2026 को सर्जरी की गई। चिकित्सकों के अनुसार बालक स्वस्थ है और नियमित फॉलो-अप जारी है।

सक्ति जिले के जैजैपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम हसौद की तीक्षिका साहू में भी आंगनबाड़ी स्तर पर स्क्रीनिंग के दौरान जन्मजात बधिरता की पुष्टि हुई। चिरायु टीम की त्वरित कार्रवाई के बाद 17 फरवरी 2026 को एम्स रायपुर में सफल कॉक्लियर इंप्लांट किया गया। अब तीक्षिका स्पीच थेरेपी के माध्यम से श्रवण एवं भाषाई विकास की दिशा में प्रगति कर रही हैं। समय रहते जांच, परामर्श और उपचार उपलब्ध हो तो जन्मजात श्रवण बाधा का भी प्रभावी समाधान संभव है। चिरायु टीम की सतत् स्क्रीनिंग, जिला स्तरीय परीक्षण और सुपर स्पेशियलिटी संस्थान में नि:शुल्क सर्जरी की व्यवस्था ने प्रभावित परिवारों को नई उम्मीद दी है। विशेषज्ञों के अनुसार कॉक्लियर इंप्लांट जैसी जटिल और महंगी सर्जरी सामान्य परिवारों के लिए अत्यंत कठिन होती है, लेकिन शासन की योजनाओं के अंतर्गत यह उपचार नि:शुल्क संभव हो सका।

## बांग्लादेश में हिंदू पुलिसकर्मी की हत्या करने वाला दिल्ली एयरपोर्ट पर डिटेन

**नई दिल्ली।** बांग्लादेश में हिंदू पुलिसकर्मी की हत्या करके वाले शख्स को दिल्ली में एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी दिल्ली के रास्ते यूरोप भागने की कोशिश कर रहा था। इंडिया टुडे के मुताबिक आरोपी की पहचान अहमद रजा हसन मेहदी के तौर पर हुई है। मेहदी को इमिग्रेशन डिपार्टमेंट ने एयरपोर्ट पर रोका था। आगे कार्रवाई की जा रही है।

## पाकिस्तान को बड़ा झटका देने की तैयारी में भारत

■ सिंधु के बाद अब रावी का भी पानी रोकेगा भारत

**नई दिल्ली (ए.)।** सिंधु जल संधि के निलंबन के बाद भारत अब पाकिस्तान को एक और बड़ा झटका देने की तैयारी में है। केंद्र सरकार रावी नदी के भारत के हिस्से के पानी को पाकिस्तान जाने से रोकने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। यदि यह योजना लागू होती है तो गर्मियों के दौरान पाकिस्तान में जल संकट और गहरा सकता है।

पंजाब और जम्मू-कश्मीर की सीमा पर बन रही शाहपुर कंडी बांध परियोजना अब लगभग पूरी होने के करीब है। बताया जा रहा है कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद रावी नदी के अतिरिक्त पानी को पाकिस्तान की ओर बहने से रोका जा सकेगा।

जम्मू-कश्मीर के मंत्री जावेद अहमद राना ने कहा कि बांध के पूरा होते ही रावी के अतिरिक्त जल को कठुआ और सांबा जैसे सूखाग्रस्त जिलों की ओर मोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना कंडी क्षेत्र के लिए प्राथमिकता पर बनाई जा रही है और इसका उद्देश्य स्थानीय जरूरतों को पूरा करना है। 31 मार्च तक परियोजना का कार्य पूरा हो सकता है। वर्तमान में रावी नदी के भारत के हिस्से का कुछ अतिरिक्त पानी भी बहकर पाकिस्तान चला जाता है। शाहपुर कंडी बांध के माध्यम से इस जल को पंजाब और जम्मू-कश्मीर के सूखा प्रभावित इलाकों को दिया जाएगा।

## 'नाड़ा खोलने' के मामले में हाईकोर्ट का फैसला पलटा

**नई दिल्ली (ए.)।** सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के मार्च 2025 के उस विवादास्पद आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें आरोपी के कृत्य को कम गंभीर मानते हुए उसे दुष्कर्म का प्रयास नहीं माना गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि किसी महिला या नाबालिग के पायजामे का नाड़ा खोलना और कपड़े उतारने की कोशिश महज अश्लील हरकत या छेड़छाड़ नहीं, बल्कि दुष्कर्म के प्रयास की श्रेणी में आएगा।

■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीधे तौर पर दुष्कर्म करने का प्रयास

यह मामला उत्तर प्रदेश का है। आरोप था कि आरोपियों ने एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ की, उसका पायजामे का नाड़ा तोड़ा और उसे पुलिया के नीचे घसीटने का प्रयास किया। हालांकि, मौके से गुजर रहे लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी फरार हो गए।

ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) और पोक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कठोर आरोप तय किए थे। लेकिन मार्च 2025 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में इसे दुष्कर्म का प्रयास मानने से इनकार करते हुए कहा था कि यह केवल अपराध की तैयारी है, जो महिला की गरिमा भंग करने या छेड़छाड़ जैसा कम गंभीर अपराध है। इस निर्णय के बाद व्यापक आक्रोश देखने को मिला।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने हाईकोर्ट के आदेश को पूरी तरह खारिज कर दिया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि ऐसे कृत्य को कम गंभीर अपराध मानना न्याय की भावना के विपरीत है। पायजामे का नाड़ा खोलना और कपड़े उतारने का प्रयास सीधे तौर पर दुष्कर्म के प्रयास के समान है। कोई भी न्यायालय तब तक पूर्ण न्याय नहीं कर सकता, जब तक वह मामले के तथ्यों की वास्तविकता और पीड़िता की संवेदनशील स्थिति को समझते हुए निर्णय न दे। न्यायिक निर्णयों में केवल कानूनी सिद्धांत ही नहीं, बल्कि करुणा और सहानुभूति का समावेश भी आवश्यक है।

## राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है जनगणना : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** भारत की जनगणना-2027 के सफल संचालन के लिए आयोजित राज्य एवं संभाग स्तरीय अधिकारियों के प्रशिक्षण सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, कलेक्टरों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व को पूरी गंभीरता, सटीकता और संवेदनशीलता के साथ निभाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 की जनगणना स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना होगी। जनगणना प्रशासन की विश्वसनीयता और शासन की पारदर्शिता की परीक्षा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आंकड़े अधूरे या त्रुटिपूर्ण होंगे तो विकास योजनाओं का लक्ष्य प्रभावित होगा। एक भी व्यक्ति या परिवार छूटना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे विकास की प्रक्रिया अधूरी रह सकती है। उन्होंने बताया कि जनगणना-2027 भारत की पहली पूर्णत: डिजिटल जनगणना होगी। मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल के माध्यम से डेटा संकलन किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी होगी। छत्तीसगढ़ में प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। यह कार्य प्रदेश के 33 जिलों, 252 तहसीलों और 19,978 गाँवों में संपन्न किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व-गणना की सुविधा से जनभागीदारी बढ़ेगी और जनता का विश्वास ही जनगणना की सफलता का आधार है। यह विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत-2047 की नींव रखने वाला सिद्ध होगा।

मुख्य सचिव विकास शील ने सभी निर्धारित कार्यों को तय समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर कार्य करने वाले कर्मियों को निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग मिलना चाहिए, जिससे त्रुटियों की संभावना न्यूनतम हो।

## संपादकीय

# अपराध की मंशा

### यौन हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट की संवेदनशील व्याख्या

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द करना, जिसमें 'बलात्कार के प्रयास' की परिभाषा बदल दी गई थी, केवल एक कानूनी सुधार मात्र नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह न्यायिक संवेदनशीलता और गंभीर मामलों मे न्यायिक दृष्टि की स्पष्टता की पुन: पुष्टि भी है। सर्वोच्च अदालत ने पॉक्सो एक्ट के साथ ही धारा 376 आईपीसी के तहत आरोप बहाल करके, इस बात पर भी बल दिया कि अपराध के इरादे को, प्रत्यक्ष कृत्य के साथ कमतर नहीं माना जा सकता है। दरअसल, हाईकोर्ट ने इस बाबत जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, जिसे किसी सभ्य समाज की मान्यताओं के प्रतिकूल माना गया था। दरअसल, हाई कोर्ट ने माना था कि एक नाबालिग के उरोज पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी ढीली करना और उसे घसीटकर ले जाने का प्रयास दुराचार की तैयारी थी, न कि बलात्कार का प्रयास, क्योंकि इसमें अपराध की दिशा में कोई सीधा कदम नहीं उठाया गया था। स्वाभाविक रूप से इस तरह की संकीर्ण व्याख्या के खिलाफ समाज में प्रतिक्रिया होनी ही थी। कहीं न कहीं इस तंग व्याख्या से अपराधी के जघन्य इरादे और प्रयास की अवधारणा को कमजोर करने का जोखिम भी था। निस्संदेह, इस तरह की व्याख्या से महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद ही होते। जाहिर है इस तरह की सोच कोई सभ्य समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता है। यह सुखद ही है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस संकीर्ण व्याख्या वाले मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए सार्थक हस्तक्षेप किया है। दरअसल, आपराधिक कानून में, प्रयास तब माना जाता है, जब किसी अपराध की तैयारी उस कृत्य को अंजाम देने में बदल जाती है। जो कि इच्छित अपराध के निकट होती है। इस मामले में आरोप- शारीरिक छेड़छाड़, निर्वस्त्र करने और जबरन घसीटना, यदि सिद्ध हो जाते हैं, तो स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न की ओर एक सुनियोजित कदम की पुष्टि कर देते हैं। जिसे केवल पीड़िता के करुण क्रंदन सुनने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के हस्तक्षेप से ही रोका गया।

> "हाईकोर्ट ने इस बाबत जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, जिसे किसी सभ्य समाज की मान्यताओं के प्रतिकूल माना गया था। दरअसल, हाई कोर्ट ने माना था कि एक नाबालिग के उरोज पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी ढीली करना और उसे घसीटकर ले जाने का प्रयास दुराचार की तैयारी थी, न कि बलात्कार का प्रयास, क्योंकि इसमें अपराध की दिशा में कोई सीधा कदम नहीं उठाया गया था। स्वाभाविक रूप से इस तरह की संकीर्ण व्याख्या के खिलाफ समाज में प्रतिक्रिया होनी ही थी।

निस्संदेह, इसके विपरीत मानना यौन हिंसा की वास्तविकताओं और नाबालिगों की असुरक्षा को अनदेखा करना ही होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह फैसला आरोपों की गंभीरता की पुष्टि करता है। ताकि पूर्व सुनवाई में साक्ष्यों की उचित संदर्भ में जांच की जा सके। ऐसे वक्त में जब देश की कई अदालतों के लैंगिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना हो रही थी, यह निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि कानूनी तर्क को संवैधानिक मूल्यों को बनाये भी रखना चाहिए। निर्विवाद रूप से, जिनका उद्देश्य किसी सभ्य समाज में नागरिकों को आसन्न खतरे से भी बचाना ही होता है। बहरहाल, इस प्रकरण में यह सार्थक हस्तक्षेप इस बात की पुष्टि भी करता है कि कानून बच्चों को न केवल अपराधियों द्वारा अंजाम दिए जा चुके अपराधों से बल्कि भविष्य में आसन्न अपराधों से भी बचाता है। इस प्रकरण के बाद कहा जा सकता है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल न्यायिक जवाबदेही में संतुलन स्थापित किया, बल्कि आखिरकार आम लोगों के विश्वास को भी बहाल किया है। निश्चित रूप से न्यायिक प्रक्रिया को न्याय के नैसर्गिक नियमों के अनुरूप ही व्यवहार करना चाहिए। जो देश की न्यायिक व्यवस्था के प्रति आम आदमी के भरोसे को बढ़ाने वाला भी होगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जब व्यक्ति समाज में चारों तरफ से व सिस्टम से निराश हो जाता है तो न्याय की चौखट उसकी उम्मीद की अंतिम किरण होती है। यदि वहां से भी संवेदनशील पहल होती न नजर आए तो उसका निराश होना स्वाभाविक ही है। सुप्रीम कोर्ट की इस संवेदनशील पहल ने सही मायने में उस आदमी के भरोसे को ही संबल दिया है। जिसका स्वागत किया जाना जरूरी भी है।

# एआई में नवाचार के साथ मौलिकता की शर्त

डॉ. संजय शर्मा

देश में नवाचार के तंत्र के विकास की दिशा में पहल सार्थक है लेकिन तकनीकी इनोवेशन का मौलिक होना जरूरी है। जबकि एआई की भाषा में नवाचार कुछ तथ्यों और पैटर्न को समझ तय ढांचे में चीजों को पेश कर देना है।

आज हम विकसित दुनिया का जो चेहरा देख पा रहे हैं, उसमें विज्ञान और तकनीकी उन्नति की बड़ी भूमिका है। यही वजह है कि जैसे ही किसी नई तकनीक का आविष्कार होता है, दुनिया में उसे समझने और अपनाने की होड़ पैदा हो जाती है। हाल के अरसे में इंटरनेट के बाद जिस तकनीकी आविष्कार की सबसे ज्यादा चर्चा रही है, वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई है। सवा तीन साल पहले नई भूमिका में अवतरित हुई इस तकनीक के कमाल इतने लुभावने हैं कि लगभग हर महीने दुनिया के किसी न किसी कोने से इससे जुड़े किसी नए करिश्मे की खबर आ जाती है। यही वजह कि इस तकनीक में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कदमताल करने की मंशा से भारत सरकार ने वैश्विक स्तर का पांच दिवसीय एक आयोजन 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' नाम से किया और 140 देशों को इसमें आमंत्रित किया।

देश में यह पहल निश्चय ही सराहनीय है, लेकिन तकनीकी नवाचार की कुछ अलिखित शर्तें हैं, जिनमें मौलिकता पहली है। मौलिक और रचनात्मक विचारों-आविष्कारों के बल पर कुछ देश और संगठन तकनीकी श्रेष्ठता और वैश्विक मान्यता अर्जित करते हैं और सफलता की नई मीनारें खड़ी करते हैं। अभिप्राय यह कि तकनीकी नवाचार में नकल या कॉपी-पेस्ट जैसी चीजें नहीं चलतीं। इसमें कुछ अलग हटकर कर दिखाना ही सफलता की प्रमुख अनिवार्यता है। इस दृष्टिकोण से 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में घटित कुछ घटनाओं को देखें, तो लगता है कि एक तकनीक के रूप में एआई की जो बड़ी खामी है, वह इसके परिदृश्य में शामिल हो रहे कुछ लोगों-संगठनों को भी अपनी पकड़ में ले चुकी है और उनका व्यवहार इसी के अनुरूप है।

एआई पर तोहमत यह है कि यह अपनी ओर से कुछ नया नहीं रचती या रचनात्मक नहीं जोड़ती है। कुछ आंकड़ों, तथ्यों और पैटर्न को समझकर एक सुनिश्चित ढांचे में चीजों को पेश कर देना ही इसकी भाषा में नवाचार है, जो असल में नहीं है। चीजों को तेजी से संजोकर नए पैटर्न में कोई सामग्री पेश कर देना तो इसे आता है, लेकिन यह औसत इंसानी समझ के दायरे से बाहर नहीं जा पाती। जबकि नवाचार इससे काफी अलहदा होता है। यही वजह कि एआई समिट के तीसरे दिन दिल्ली-एनसीआर के एक निजी विश्वविद्यालय की ओर से महासम्मेलन में दिखाए जा रहे एआई रोबोट और सॉकर ड्रोन को लेकर किए जा रहे दावों की सच्चाई सामने आ गई कि इन्हें चीन और कोरियाई कंपनियों से खरीदा गया है, न कि विश्वविद्यालय के तंत्र और छात्रों ने बनाया है। हालांकि विश्वविद्यालय ने सफाई दी कि उनके कैंपस में इन्हें डिवेलप किया जा रहा था, न कि इन्हें बनाया गया था। अगर ऐसा भी है, तो यह किसी का चित्र या वीडियो देखकर उसकी नकल तैयार करने के समकक्ष बैठता है और हमें एआई को लेकर देश में हो रही पहलकदमियों को लेकर ज्यादा गंभीरता से विचार करने को प्रेरित करता है। यहां एआई को लेकर भारत में हो रहे कथित नवाचार को लेकर सवाल पैदा होते हैं। जैसे, पहला सवाल यह कि क्या हमें वास्तव में इसकी जरूरत है? एक ऐसी तकनीक, जिस पर आरोप हैं कि वह सैकड़ों क्षेत्रों में दखल देते हुए लाखों रोजगार खा जाएगी, आबादी बहुल देश में तभी कोई अर्थ रखती है, जब उससे नई किस्म के दूसरे लाखों रोजगार पैदा हों। अभी इसका सटीक उत्तर मिलने में वक्त है, क्योंकि चैटजीपीटी के नए अवतार में सामने आए अभी इसे महज सवा तीन साल बीते हैं।

दूसरा सवाल है कि क्या भारत को इसे आजमाने की तेजी दिखानी चाहिए? तकनीकें अपनाने व उन्हें समझने को लेकर दुनिया का जो मौजूदा ट्रेंड है, उसके मद्देनजर इस प्रश्न का उत्तर हां है। लेकिन तीसरा अहम सवाल यह है कि आखिर भारत के लोग, सरकार और तमाम संगठन क्या इसमें कोई नवाचार कर पा रहे हैं? इस सवाल का उत्तर दो टुकड़ों में मिलता है। पहला, यदि नवाचार का तंत्र विकसित करने और माहौल बनाने की बात है, तो सरकार और शिक्षण संस्थानों से लेकर तमाम कंपनियां इसमें पूरी ताकत से लग गए हैं- जो सार्थक बात है। लेकिन उत्तर का दूसरा हिस्सा हमें दुविधा में डालता है। यहां यह तथ्य सामने आता है कि तकनीकी नवाचार से जुड़े ज्यादातर मामलों में हमारा देश कॉपी-पेस्ट शैली वाले नवाचार में फंस गया है। हमारे ही आसपास तमाम लोग और कंपनियां गूगल जैसा सर्च इंजन, फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सऐप जैसा सोशल मीडिया मंच या फिर उन्हीं आविष्कारों को दोहराने का प्रयास करते दिखाई देते हैं, जिनका ईजाद अमेरिका, चीन, जापान, कोरिया में हुआ और हम उनकी नकल तैयार करने लगते हैं। सवाल है कि क्या यह नवाचार है। तो इसका उत्तर है कि यह हमें लकीर का फकीर साबित करता है। हम लीक से हटकर कोई ऐसा नया आविष्कार नहीं कर रहे, जो दुनिया को झकझोर दे और दूसरे देशों को वह भारतीय आविष्कार अपनाने-खरीदने को प्रेरित कर दे। खासतौर से एआई की बात करें, तो देश में इसे अपनाने को लेकर एक हड़बड़ी भी दिखाई दे रही है जिस कारण गड़बड़ी हो रही है और दुष्प्रभाव पैदा हो रहे हैं- खासकर शिक्षा जगत में। विज्ञान और चिकित्सा जगत में एक नियम बहुत प्रचलित है कि कोई नया ईजाद आमजन के सामने तब तक नहीं लाया जाना चाहिए, जब तक उसके दुष्प्रभावों का सटीक आकलन न हो जाए। फार्मा उद्योग के लिए तो इसके लिए कड़े मानक हैं कि किसी दवा या टीके को बनाने के बाद लंबे समय तक उसका मानव चिकित्सा परीक्षण होना चाहिए महामारी की जटिल व आपदाकारी स्थितियों को छोड़कर)।

दुनिया के तकनीकी और औद्योगिक विकास के क्रम में भी कोई मशीन या आविष्कार वर्षों या कई बार दशकों के प्रयोगों-परीक्षण के बाद इस स्थिति में आया है कि आमजन उसका इस्तेमाल कर सकें। लेकिन एआई को अपनाने के संबंध में भारत समेत दुनिया के कई देशों में एक किस्म का उतावलापन दिखाई दे रहा है। इंटरनेट व तकनीक से जुड़ी कंपनियों को इसमें मुनाफा नजर आ रहा है लेकिन सरकारों पर इसका पर्याप्त दबाव दिखाई दे रहा है कि वे इसे अपनाएं और इसके लायक तंत्र व माहौल पैदा करें।

अगर पूछा जाए कि शिक्षा बोर्डों, विश्वविद्यालयों और खुद सरकारों के सामने ऐसी क्या मजबूरी है कि वे छात्रों को एआई की जानकारी से लैस करना चाहते हैं। एक सच्चाई यह कि असल में इसके पीछे एआई और डाटा एल्गोरिद्म से जुड़ी तकनीकी व इंटरनेट कंपनियों का दिमाग है।

**लेखक मीडिया यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।**

# पारिवारिक पाठशाला डाल सकती है नशाखोरी पर नकेल

अभिमन्यू राव

नशे के अधिकांश मामले तनाव, चिंता या भावनात्मक अस्थिरता से जुड़े होते हैं। ऐसे में योग और प्राणायाम को केवल व्यायाम समझना भूल होगी। ये मन को स्थिर करने वाले वैज्ञानिक अभ्यास हैं, जो तनाव को कम करते हैं और आत्म-नियंत्रण को बढ़ाते हैं।

आज के समय में, नशा सबसे खतरनाक चुनौतियों में से एक बन गया है। ऐसी चुनौती जिसे केवल स्वास्थ्य समस्या मानकर हल नहीं किया जा सकता। नशा व्यक्ति की इच्छा शक्ति को खोखला करता है, परिवारों को अस्थिर करता है और समाज के भविष्य को कमजोर बनाता है। यह समस्या जिस गति से फैल रही है, उसे रोकने के लिए पारंपरिक उपाय पर्याप्त नहीं होंगे। आवश्यक है कि हम इसके सामाजिक, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक पहलुओं को गहराई से समझें और सामूहिक स्तर पर हस्तक्षेप करें।

नशा मुक्ति की राह दवाइयों और पुनर्वास केंद्रों से होकर जरूर गुजरती है, लेकिन इसकी शुरुआत कहीं गहरी—परिवार, समाज और शिक्षा के त्रिभुज में होती है। यही त्रिकोण तय करता है कि नई पीढ़ी किस दिशा में जाएगी, निर्माण की ओर या विनाश की ओर। हर समाज की पहली पाठशाला परिवार ही होता है। बच्चों में जो आदतें, स्वभाव और भावनात्मक धारणा विकसित होती है, उसकी नींव घर में ही रखी जाती है। इसलिए नशे के खिलाफ सबसे प्रभावी हस्तक्षेप परिवार में ही संभव है। घर में मौजूद कलह, निरंतर दबाव या अभिभावकों की भावनात्मक दूरी, ये तीनों बच्चे को मानसिक तौर पर कमजोर बनाते हैं। यह कमजोरी ही उन्हें गलत संगत की ओर धकेल सकती है। इसके विपरीत, ऐसा परिवार जो संवाद को महत्व देता हो, अनुशासन को सहजता से लागू करता हो और जहां बच्चों को समझने की कोशिश हो, वहां बच्चों का मनोबल मजबूत होता है। इसलिए नीतियों और योजनाओं में परिवार-केंद्रित हस्तक्षेप, जैसे पैरेंटिंग वर्कशॉप, पारिवारिक परामर्श, तनाव प्रबंधन को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

यह सच है कि आज का बच्चा अभूतपूर्व दबावों के बीच बढ़ रहा है। प्रतिस्पर्धा का दायरा बढ़ गया है, सोशल मीडिया ने तुलना की संस्कृति को और गहरा कर दिया है और उपलब्धि को ही मूल्यांकन का मानक बना दिया है। जब एक किशोर यह महसूस करता है कि वह 'पीछे छूट रहा है', तब उसके भीतर अधूरापन और बेचैनी जन्म लेती है। यही मानसिक असुरक्षा उसे गलत आदतों की तरफ खींच सकती है। बच्चों को वह वातावरण देना होगा, जहां वे सुरक्षित महसूस करें, अपनी अभिव्यक्ति के लिए जगह पाएं और रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लेकर ऊर्जा को सकारात्मक दिशा दें। सामुदायिक खेल मैदान, कला-संगीत केंद्र, वाद-विवाद और विज्ञान मंच—ये केवल गतिविधियां नहीं, बल्कि एक स्वस्थ समाज की सुरक्षा दीवारें हैं। वे बच्चों को व्यस्त रखते हैं, उनकी रुचियों को पहचानते हैं और उन्हें अर्थपूर्ण गतिविधियों से जोड़ते हैं। नशे के अधिकांश मामले तनाव, चिंता या भावनात्मक अस्थिरता से जुड़े होते हैं। ऐसे में योग और प्राणायाम को केवल व्यायाम समझना भूल होगी। ये मन को स्थिर करने वाले वैज्ञानिक अभ्यास हैं, जो तनाव को कम करते हैं और आत्म-नियंत्रण को बढ़ाते हैं। स्कूलों और समुदायों में दिन की शुरुआत प्राणायाम से करना बच्चों में मानसिक प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकता है। एक शांत मन न केवल बेहतर निर्णय लेता है, बल्कि गलत आकर्षणों के प्रभाव से भी बचा रहता है। मानसिक स्वास्थ्य को हमारा समाज अब भी पर्याप्त महत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप, बच्चे अपनी भावनाओं को दबाते हैं। अत: मानसिक स्वास्थ्य को शिक्षा और सामाजिक कार्यक्रमों में केंद्रीय स्थान मिलना चाहिए।

शिक्षा का उद्देश्य जब केवल नौकरी तक सीमित हो जाता है, तब बच्चों पर दबाव बढ़ना लाज़िमी है। शिक्षा हमेशा से मानवता, विवेक और चरित्र-निर्माण का आधार रही है। ऐसे विद्यार्थी जिनके भीतर उद्देश्य की स्पष्टता हो, जिनकी शिक्षा रुचि आधारित हो और जिनका आत्मविश्वास मजबूत हो, वे गलत आदतों की ओर कम आकर्षित होते हैं। इसलिए शिक्षा प्रणाली को ऐसे परिवेश पर जोर देना चाहिए जहां प्रतियोगिता की जगह सहयोग हो, अंक की जगह व्यक्तित्व विकास को प्राथमिकता मिले और बच्चों को विकल्पों, रुचियों और कौशलों के अनुरूप आगे बढ़ाया जाए। शिक्षक और अभिभावक को समझना होगा कि दबाव सवफलता नहीं, बल्कि यह केवल बेचैनी पैदा करता है। नशे में फंसा व्यक्ति अपराधी नहीं, एक पीड़ित है। परिवार, शिक्षकों और समाज को चाहिए कि वे ऐसे व्यक्तियों के लिए खुला, सम्मानजनक और सहयोगी वातावरण बनाएं। जब कोई व्यक्ति यह महसूस करता है कि उसके लिए रास्ता बंद नहीं हुआ है, तभी वह नशा छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा पाता है। परिवार का वातावरण, समाज का चरित्र, शिक्षा की दिशा, मानसिक स्वास्थ्य और सकारात्मक गतिविधियों का प्रोत्साहन, ये सभी मिलकर ही इस चुनौती को परास्त कर सकते हैं। यदि हम सामूहिक रूप से इस दिशा में आगे बढ़ें तो आने वाली पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से मुक्त कर एक सशक्त, संवेदनशील और जागरूक समाज की ओर ले जा सकते हैं।

# लिव-इन में दहेज कानून से संरक्षण की आस

डॉ. रितु सरस्वत

लिव-इन जैसे संबंधों में भी दहेज और आर्थिक दबाव जैसे आरोप सवाल उठाते हैं। क्या संकट दहेज प्रथा में है, या हमारी सामाजिक मानसिकता में? जो आधुनिक संबंधों में भी स्वार्थ और वर्चस्व के तत्वों को पुन: स्थापित कर देती है? कहीं दहेज या क्रूरता के आरोप टूटते लिव-इन संबंधों को कानूनी रूप से साधने, दबाव बनाने या प्रतिशोध लेने का माध्यम तो नहीं बन रहे?

हाल ही में देश को शीर्ष अदालत ने 'लोकेश बी.एच. एवं अन्य बनाम कर्नाटक राज्य एवं अन्य' के मामले के आपराधिक कानून से जुड़े प्रश्न पर विचार करने के लिए सहमति दी है। क्या किसी महिला के साथ विवाह जैसे संबंध में रहने वाले पुरुष को भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 498ए के तहत क्रूरता के अपराध के लिए अभियोजन के दायरे में लाया जा सकता है या नहीं। उल्लेखनीय है कि यह मुद्दा एक विशेष अनुमति याचिका में उठाया गया है, जिसमें कर्नाटक हाईकोर्ट के 18 नवंबर 2025 के निर्णय को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि धारा 498ए उन मामलों में भी लागू हो सकती है जहां संबंध विवाह के समान प्रकृति का हो।

गौरतलब है कि धारा 498ए भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत यह प्रावधान है कि यदि किसी महिला के साथ उसके पति अथवा पति के रिश्तेदार द्वारा क्रूर व्यवहार किया जाता है, तो वह दंडनीय अपराध माना जाएगा। इस व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य विवाहित महिलाओं को दहेज से जुड़े उत्पीड़न तथा अन्य प्रकार की शारीरिक या मानसिक यातना से कानूनी सुरक्षा प्रदान करना है। इसी क्रम में, सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को इस वाद में पक्षकार के रूप में सम्मिलित करते हुए उसे नोटिस जारी किया है और प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने मामले से संबंधित समस्त डिजिटल अभिलेख उपलब्ध कराने के भी आदेश दिए हैं। साथ ही, इस प्रकरण में अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित कार्यवाही पर अगली सुनवाई तक अस्थायी रोक लगा दी गई है।

यह प्रश्न सरल या एकरेखीय नहीं है। इसके एक पक्ष में स्त्री के अधिकार, गरिमा और सुरक्षा का संवेदनशील प्रश्न निहित है, तो दूसरे पक्ष में विधि की वह मर्यादा भी है जिसके अंतर्गत दहेज-निरोधक तथा क्रूरता संबंधी प्रावधानों को पारंपरिक रूप से वैध वैवाहिक संबंधों से जोड़कर देखा जाता है। एक ओर लिव-इन संबंध भारतीय समाज में गाहे-बगाहे अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं; वहीं दूसरी ओर, इनके साथ वे सभी जटिलताएं और विवाद भी सामने आ खड़े हो रहे हैं, जो प्राय: विधिसम्मत वैवाहिक संबंधों के संदर्भ में देखने को मिलते हैं। ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए जो कानून मूलत: वैवाहिक संस्था को ध्यान में रखकर बनाए गए थे, उन्हीं प्रावधानों का आश्रय लेते हुए लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़े कानून के दरवाजे खटखटाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

इस प्रकार, यह विमर्श केवल दंडात्मक कानून की तकनीकी व्याख्या का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और विधिक सीमाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती भी है। सबसे अधिक विस्मयकारी पहलू यह है कि अनेक युवा तथाकथित आधुनिक जीवन-दृष्टि और स्वतंत्रता के आग्रह के साथ लिव-इन संबंधों में प्रवेश करते हैं, मानो वे सामाजिक तथा विधि-सम्मत परंपरागत व्यवस्थाओं को महत्व नहीं देते। परंतु विडंबना यह है कि जब विवाद या संकट उत्पन्न होता है, तो वही पक्ष उन कानूनी संरक्षणों की शरण में जाते दिखाई देते हैं, जो मूलत: पारंपरिक वैवाहिक संबंधों को ध्यान में रखकर निर्मित किए गए थे। यह विरोधाभास एक ओर सामाजिक मान्यताओं से विमुखता और दूसरी ओर उन्हीं से उपजे विधिक संरक्षण की अपेक्षा—कानून के समक्ष निरंतर एक नया संतुलन स्थापित करने की चुनौती उपस्थित कर रहा है।

जनवरी, 2004 को 'रीमा अग्रवाल बनाम अनुपम एवं अन्य के मामले' में देश की शीर्ष अदालत ने कहा 'धारा 498ए को लागू करने के लिए 'पति' शब्द के अंतर्गत कौन-कौन आएगा, यह प्रश्न वास्तव में जटिल है। शब्दार्थ की दृष्टि से, विभिन्न विधि शब्दकोशों और शब्दावली में 'पति' तथा 'विवाह' की जो परिभाषाएं दी गई हैं, उनसे यह प्रतीत हो सकता है कि दंडात्मक प्रावधान लागू करने के लिए वैध विवाह का अस्तित्व अनिवार्य शर्त है।' अदालत ने यह भी कहा कि 'दहेज' की अवधारणा मूलत: विवाह से जुड़ी होती है और दहेज निषेध अधिनियम के प्रावधान भी विवाह के संदर्भ में ही लागू होते हैं। यदि स्वयं विवाह की वैधता ही विवादित हो, तो इससे अतिरिक्त विधिक जटिलताएं उत्पन्न हो जाती हैं।

अजयनाथ बनाम केरल राज्य, में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि धारा 498ए के अंतर्गत अभियोजन चलाने के लिए अभियुक्त और पीड़िता के बीच वैध वैवाहिक संबंध होना अनिवार्य है। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि यदि कथित विवाह प्रारंभ से ही शून्य हो, तो धारा 498ए के अंतर्गत अभियोजन कायम नहीं रह सकता। वर्ष 2003 के कलियापेरुमल बनाम तमिलनाडु राज्य निर्णय में न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि धारा 498ए अथवा उससे संबंधित प्रावधान स्वत: लागू नहीं हो जाते; इनके लिए विधि द्वारा मान्य वैवाहिक संबंध का अस्तित्व आवश्यक है। यदि विवाह ही वैध न हो या दहेज से जुड़ा तत्व स्थापित न हो, तो आपराधिक दायित्व आरोपित नहीं किया जा सकता।

इस प्रकार न्यायालय ने विवाह को इन प्रावधानों के लागू होने की आधारशिला के रूप में स्वीकार किया। इसी तर्क का विस्तार तथाकथित 'पति के संबंधियों' तक भी होता है। जब विधिक दृष्टि से 'पति' का दर्जा ही सिद्ध न हो, तो उसके संबंधियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई भी स्वत: कमजोर पड़ जाती है। यही नहीं जुलाई, 2024 में केरल उच्च न्यायालय ने 'डॉ. अश्विन वी. नायर बनाम केरल राज्य एवं अन्य'में यह निर्णय दिया कि किसी महिला का लिव-इन पार्टनर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए के तहत 'पति' की परिभाषा में नहीं आता। न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'पति शब्द का अर्थ है विवाहित पुरुष, जो विवाह में महिला का साथी हो। अत: विवाह ही वह तत्व है जो महिला के साथी को 'पति' का दर्जा देता है। विवाह का अर्थ है कानून की दृष्टि में वैध विवाह। इसलिए, बिना वैध विवाह के यदि कोई पुरुष किसी महिला का साथी बनता है, तो वह भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए के उद्देश्य से 'पति' की परिभाषा में नहीं आएगा।'

लिव-इन संबंधों की अवधारणा स्वयं इस दावे के साथ सामने आई कि यह पारंपरिक वैवाहिक बंधनों और उनसे जुड़ी सामाजिक बुराइयों विशेषत: दहेज जैसी कुरीतियों से मुक्त एक आधुनिक और स्वैच्छिक संबंध है। दहेज को लंबे समय से एक ऐसी परंपरागत सामाजिक बुराई के रूप में रेखांकित किया गया है, जिसने स्त्रियों के अधिकारों का शोषण किया और वैवाहिक संस्था को कलंकित किया। यदि लिव-इन संबंध स्वतंत्रता, समानता और आधुनिक चेतना के प्रतीक माने जाते हैं, तो फिर वहां दहेज जैसा प्रश्न उत्पन्न ही कैसे होता है?

यदि वास्तव में ऐसे संबंधों में भी दहेज या आर्थिक दबाव जैसे आरोप सामने आ रहे हैं तो यह गंभीर आत्ममंथन की मांग करता है। क्या समस्या केवल दहेज नामक प्रथा में है, या हमारी सामाजिक मानसिकता में, जो आधुनिक संबंधों में भी परंपरागत स्वार्थ और वर्चस्व के तत्वों को पुन: स्थापित कर देती है? या फिर यह भी विचारणीय है कि कहीं दहेज अथवा क्रूरता के आरोप कभी-कभी टूटते हुए लिव-इन संबंधों को कानूनी रूप से साधने, दबाव बनाने या प्रतिशोध लेने का माध्यम तो नहीं बन रहे? यह प्रश्न केवल विधिक व्याख्या का नहीं, बल्कि सामाजिक ईमानदारी और आधुनिकता की वास्तविक परिभाषा का भी है।

**लेखिका समाजशास्त्री हैं।**

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110



## प्रमुख खबरें

### पीएम आवास की लाटरी 26 फरवरी को

**भिलाई।** प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) एएचपी किफायती आवास मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी घटक से निर्मित आवासों का आबंटन किया जाना है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार निगम सभागार कक्ष में 26 फरवरी 2026 को समय 12:30 बजे लाटरी आयोजित किया गया है। सक्षम स्वीकृति प्राप्त कर कुल अंशदान राशि 10 प्रतिशत तथा बेदखली व्यवस्थापन हेतु हितग्राही से 75000 रूपये निगम कोष में जमा कराया जा रहा है।

### दुर्ग में 8 हितग्राहियों को मिला आवास का सौभाग्य

**दुर्ग।** प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में निर्मित आवास अब अंतिम चरण में पहुँचकर हितग्राहियों को सौंपे जा रहे हैं। नगर निगम क्षेत्र में गणपति विहार, सरस्वती नगर और माँ कर्मा बोरसी तीन प्रमुख स्थलों पर आवासों का निर्माण किया गया है। आज इन तीनों आवास स्थलों के लिए प्राप्त कुल 8 आवेदनों की लॉटरी निकाली गई। लॉटरी प्रक्रिया में महापौर अलका बाघमार, एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्रकार, शेखर चंद्रकार, ज्ञानू ताम्रकार, सुरूचि उमरे, रंजीता पाटिल, ललिता ठाकुर, लोकेश्वरी ठाकुर, खालिक रिजवी, रेशमा सोनकर एवं अधिकारी/ कर्मचारी मौजूद रहें।

### 16 करोड़ की अधोसंरचना राशि स्वीकृत, 60 वार्डों में होगा खर्च

**दुर्ग।** शहर क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम के 60 वार्डों में अंदरूनी सड़कों, नालियों एवं अन्य अधोसंरचना कार्यों के लिए 16 करोड़ रुपये की राशि शासन द्वारा स्वीकृत की गई है। यह स्वीकृति महापौर अलका बाघमार के लगातार प्रयासों का परिणाम है। लंबे समय से गली-मोहल्लों में जर्जर सड़कों और क्षतिग्रस्त नालियों की समस्या के समाधान हेतु की जा रही मांग को अंततः शासन ने हरी झंडी दे दी है। महापौर अलका बाघमार ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया।

### बिना टोटी वाले नल कनेक्शन को तत्काल काटने के निर्देश

**रिसाली।** रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने निर्देश दिए है कि जिनके घरों के नल पर टोटी नहीं लगा है उनका कनेक्शन तत्काल काटा जाए। सड़क पर बहते पानी को देख महापौर ने यह निर्णय ली। महापौर बुधवार सुबह नेवई बस्ती पहुंची। इस दौरान उन्होंने सड़क पर पानी बहते देख नाराजगी जाहीर की। बाद में खुलासा हुआ कि अधिकांश डेयरी संचालक के घरों में नल कनेक्शन लगा हुआ है जो पानी भरने के बाद नल को खुला छोड़ देते है।

# कन्या महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद दिवस सम्पन्न, एकल एवं टीम ईवेन्ट में छात्राओं ने दिखाया दम

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** शा. डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालर्य में वार्षिक क्रीड़ा दिवस मनाया गया। प्रतियोगिता का आरंभ कैरम एकल से किया गया, जिसने कुल 22 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रथम संतोषी दीप, द्वितीय- दीप्ति ठाकुर, तृतीय- ममता लहरे रही। कैरम युगल में 10 टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें प्रथम आयुषी एवं टीशा, द्वितीय- मुस्कान एवं संतोषी दीप एवं तृतीय- ममता लहरे एवं धनेश्वरी साहू रही।

कुर्सी दौड़ में 75 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रथम स्थान पर चांदनी साहू, द्वितीय दीपाली डहरिया एवं तृतीय स्थान पर डॉली देशमुख रहीं। मटकाफोड़ में 55 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रथम तृप्ति ठाकुर, द्वितीय आयुषी सिंह एवं तृतीय श्रृंखला देवांगन रही। टेबल टेनिस में प्रथम स्थान प्राप्त किया पायल साहू ने द्वितीय गीतिका सिन्हा, तृतीय स्थान पर श्रेया वर्मा। टेबल टेनिस युगल में प्रथम स्थान प्राप्त किया गीतिका एवं पायल की जोड़ी ने, द्वितीय स्थान पर रहीं श्रेया एवं मीनाक्षी वैष्णव एवं

तृतीय स्थान प्राप्त किया अवनी राजपूत एवं निष्कृति चन्द्राकर की जोड़ी ने। डॉज बॉल प्रतियोगिता में 12 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रथम स्थान पर रही मां दुर्गा समूह जिसके खिलाड़ी थे हीन पारकर, वेनुका, वर्षा, भूमिका, पूजा देवांगन, शालिनी, ईमन। द्वितीय स्थान प्राप्त किया षिवषक्ति समूह ने जिसके खिलाड़ी थे दीप्ति ठाकुर, धनेश्वरी, चंचल, ममता, टीशा, तेजस्वनी तृतीय स्थान पर रही कल्पना दत्त समूह जिसकी टीम इस प्रकार थी - जागृति कुमेटी, चंचल यादव, प्रेमा ढीमर, आर्या अवस्थी, भावना बंजारे, मुस्कान साहू, झरना साहू।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ रंजना श्रीवास्तव ने छात्राओं का उत्साहवर्द्धन किया एवं अधिक से अधिक खेलों में हिस्सा लेने के प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि अध्ययन के साथ-साथ शारीरिक गतिविधियां भी जरूरी है। संचालन डॉ ऋतु दुबे, क्रीडाधिकारी के निर्देशन में किया गया। डॉ व्हीके वासनिक, डॉ मंजूलता साव, वंदना बंजारे, डॉ मुक्ता बाखला, आदि का सहयोग रहा।

# भिलाई इस्पात संयंत्र में राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन का सफल आयोजन, 15 मास्टर ट्रेनर्स का सम्मान

## कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने मास्टर ट्रेनर्स के समर्पण एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधनङ्कज्ञानार्जन एवं विकास विभाग अंतर्गत एचआरडीसी एवं बीएमडीसी में राष्ट्रीय कर्मयोगी एक दिवसीय कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 5 अक्टूबर 2025 से 10 फरवरी 2026 की अवधि के दौरान विभिन्न चरणों में संपन्न हुआ, जिसमें बीएसपी के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करना, व्यावसायिक दक्षताओं में वृद्धि करना तथा सरकारी कर्मियों में सतत अधिगम, सेवा उत्कृष्टता और उत्तरदायित्व की संस्कृति को बढ़ावा देना रहा।

निर्धारित अवधि में संयंत्र के 2 लीड ट्रेनर्स के मार्गदर्शन में तैयार 57 मास्टर ट्रेनर्स ने राष्ट्रीय कर्मयोगी एक दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से 3735 कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के फलस्वरूप बीएसपी ने सेल की समस्त इकाइयों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उक्त 57 मास्टर ट्रेनर्स में से 15 मास्टर ट्रेनर्स ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, नेतृत्व क्षमता एवं प्रभावी प्रशिक्षण व प्रस्तुतीकरण कौशल से विशेष पहचान बनाई।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 15 मास्टर ट्रेनर्स में वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन), कुटेश्वर माइंस अरुण कुमार सरोज; कनिष्ठ प्रबंधक (एचआर- एमएंडएू) नवनीता चौहान; सहायक प्रबंधक (चिकित्सा) शीबा थॉमस; एमटीए (आरएसएम) शेख शिरीन; प्रबंधक (एचआर-मिल्स) अर्वथि वुचुला; उप प्रबंधक (एचआर-स्टील) सिकंदर इंदोरिया; सहायक महाप्रबंधक (एसएमएस-2) निशांत प्रकाश टोप्पो; महाप्रबंधक (एसएमएस-2) गौरव सिंघल; महाप्रबंधक (राजहरा माइंस) बीरेन्द्र कुमार; सहायक प्रबंधक (दल्ली माइंस) आनंद कुमार; सहायक प्रबंधक (प्लांट गैरेज) दिनेश चंद्र महाजन; सहायक प्रबंधक (एचआर-मिल्स) तनमयी मल्लेश; उप प्रबंधक (एचएमई) नरेंद्र राव; कनिष्ठ प्रबंधक (एचआर- एम एंड यू) बी. गोपाल राव; तथा सहायक महाप्रबंधक (सीएमएम) अनिल भावे शामिल हैं।

इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में निदेशक प्रभारी सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने 15 मास्टर ट्रेनर्स को उनके उल्लेखनीय योगदान, विषय-ज्ञान, सक्रिय सहभागिता और प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया। पवन कुमार ने मास्टर ट्रेनर्स के समर्पण एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि व्यक्तिगत विकास को राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

# मदर टेरेसा नगर पहुंचे जोन आयुक्त, निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार, जनसुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए जोन-3 आयुक्त कुलदीप गुप्ता ने मदर टेरेसा नगर अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सार्वजनिक सुलभ शौचालयों, निर्माणाधीन नालियों और साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। जोन आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी निर्माणाधीन कार्यों को समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं का त्वरित लाभ मिल सके।

पावर हाउस रेलवे स्टेशन के समीप स्थित सार्वजनिक शौचालय के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अंदर और बाहर बेहतर साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। पावर हाउस सर्कुलर मार्केट में सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि सफाई कर्मचारियों की प्रतिदिन समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। यहां निर्माणाधीन नए शौचालय और रविदास नगर सब्जी मंडी स्थित सुलभ इंटरनेशनल में चल रहे कार्य का अवलोकन किया गया। निर्माण एजेंसी को कार्य में गुणवत्ता बरतने और उसे जल्द से जल्द पूरा करने को कहा गया है।

निरीक्षण के दौरान नितेश मेश्राम सहायक अभियंता, दीपक देवांगन उप अभियंता, अशोक देवांगन, बसंत देवांगन सहायक राजस्व अधिकारी, बीरेन्द्र बंजारे जोन स्वास्थ्य अधिकारी, चुड़ामणी यादव स्वच्छता निरीक्षक सहित संबंधित सुपरवाइजर साथ रहे।

# वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, वार्ड 32 में बनेगा सीसी रोड

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** भिलाई नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 32 में लंबे समय से सीसी रोड निर्माण की मांग की जा रही थी। इस मांग को पूरा करते हुए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया,जिसमें जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों की भारी उपस्थिति रही।

निर्माण स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में वार्ड 32 की पार्षद लक्ष्मी दिवाकर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य की शुरुआत की और क्षेत्र के विकास के लिए आभार व्यक्त किया।करीब 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस सीसी सड़क से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

क्षेत्र वासियों का कहना है कि हमारी वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हुई है। इसके लिए हम जनप्रतिनिधियों का धन्यवाद करते हैं। सड़क बनने से आने-जाने में काफी सुविधा होगी।

साथ ही क्षेत्रवासियों ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से यह निर्माण कार्य संभव हो पाया है।

भूमि पूजन कार्यक्रम में पार्षद लक्ष्मी दिवाकर, पूर्व विधायक प्रतिनिधि रीना चौहान, भाजपा जिला भिलाई के उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, प्रवक्ता विजय सिंह, मंडल अध्यक्ष तरुण सिंह, महामंत्री लतेल यादव, पार्षद प्रतिनिधि धर्मेन्द्र दिवाकर, युवा मोर्चा कैम्प मंडल अध्यक्ष नवीन सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

बहरहाल, क्षेत्र के लोगों को उम्मीद है कि तय समय सीमा में सड़क निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा हो जाएगा और उन्हें बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी।

# केडी पब्लिक स्कूल में प्रवेश पर विशेष छूट

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** केडी पब्लिक स्कूल में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु नर्सरी से उच्च कक्षाओं तक प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं। विद्यालय अपनी उत्कृष्ट शिक्षण गुणवत्ता, अनुशासित वातावरण और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखता है।

विद्यालय में अनुभवी एवं प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा आधुनिक शिक्षण पद्धति से अध्ययन कराया जाता है। स्मार्ट क्लास सुविधा, नियमित मूल्यांकन प्रणाली, खेलकूद एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के बौद्धिक, मानसिक एवं नैतिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। सुरक्षित एवं प्रेरणादायक वातावरण विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है।

### विशेष प्रवेश ऑफर

प्रथम 25 विद्यार्थियों के प्रवेश पर 1000 रुपए तक की विशेष शुल्क छूट प्रदान की जाएगी। यह ऑफर सीमित सीटों के लिए मान्य है, अतः अभिभावकों से अनुरोध है कि वे शीघ्र प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें। प्रवेश के लिए कार्यालय दिवसों पर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक सम्पर्क किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए 9111666493 पर कॉल किया जा सकता है।

# खुर्सीपार इंडोर स्टेडियम हुआ गुलजार; बैडमिंटन की शुरुआत

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के विशेष प्रयासों और निर्देशों के बाद, खुर्सीपार स्थित नवनिर्मित इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन खेल की विधिवत शुरुआत कर दी गई है। लंबे समय से अनुपयोगी पड़े इस शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर का अब खेल और स्वास्थ्य लाभ के लिए सदुपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है।

आयुक्त के निर्देश अनुसार, स्टेडियम के संसाधनों को क्रियाशील बनाए रखने और खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने स्वयं बैडमिंटन खेलना शुरू किया है। ड्यूटी के बाद खाली समय का उपयोग अधिकारी अपने स्वास्थ्य लाभ के लिए कर रहे हैं, जिससे न केवल उनकी कार्यक्षमता बढ़ेगी बल्कि एक स्वस्थ कार्य संस्कृति का भी विकास होगा।

*हमारा उद्देश्य निगम की संपत्तियों का अधिकतम जनहित में उपयोग करना है। खुर्सीपार इंडोर स्टेडियम न केवल खिलाड़ियों के लिए बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हर नागरिक के लिए एक बेहतरीन सौगात साबित होगा।*

*— राजीव कुमार पांडेय, आयुक्त, नगर पालिक निगम भिलाई*

इंडोर स्टेडियम के सक्रिय होने से क्षेत्र के स्थानीय निवासियों और खेल प्रेमियों में भारी उत्साह है। इस स्टेडियम के माध्यम से शहर के आम नागरिको को लाभ मिलेगा।

नियमित बैडमिंटन खेलने से हृदय स्वास्थ्य और शारीरिक स्फूर्ति में वृद्धि होगी। युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए एक आधुनिक और सुरक्षित वातावरण मिलेगा।

संसाधनों का उपयोग के साथ करोड़ों की लागत से बने इस स्टेडियम का लाभ सीधे जनता को मिलेगा।

निगम प्रशासन आने वाले दिनों में आम नागरिकों के लिए स्टेडियम के उपयोग हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश और समय सारिणी जारी करेगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

# बीएसपी टाउनशिप में लंबित विद्युत बिलों की वसूली हेतु कार्यवाही प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** बीएसपी टाउनशिप प्रशासन द्वारा दुकानों एवं आवासीय क्वार्टरों के लंबित विद्युत बिलों की वसूली सुनिश्चित करने हेतु विधिसम्मत कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। यह कदम विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने तथा नियमानुसार राजस्व वसूली के उद्देश्य से उठाया गया है।

उल्लेखनीय है कि विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 56 के अंतर्गत विद्युत बिल का भुगतान न करना स्पष्ट रूप से कानून का उल्लंघन है। इसी क्रम में टाउनशिप प्रशासन द्वारा संबंधित दुकानदारों, निवासियों एवं अन्य विद्युत उपभोक्ताओं को विधिवत नोटिस जारी किए जा रहे हैं। नोटिस जारी होने के 15 दिवस पश्चात भी बकाया राशि का भुगतान न किए जाने की स्थिति में विद्युत आपूर्ति विच्छेदन (डिस्कनेक्शन) की कार्यवाही की जा रही है। यह प्रक्रिया आगे भी निरंतर एवं सख्ती के साथ जारी रहेगी।

विद्युत अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, वितरण कंपनी को बकाया भुगतान की स्थिति में विद्युत आपूर्ति काटने का विधिक अधिकार प्राप्त है। तदनुसार, नियमों के अनुपालन में कुछ प्रमुख दुकानों पर कार्रवाई करते हुए उनकी विद्युत आपूर्ति भी विच्छेदित की जा चुकी है।

बीएसपी टाउनशिप प्रशासन ने सभी संबंधित उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे किसी भी असुविधा से बचने के लिए अपने लंबित विद्युत बिलों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें तथा सहयोग करें।

Since 1972
CROWN® TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

## खास खबर

### प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच, 794 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

**रायपुर ।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है - बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज धरसीवां टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 तुलसी में 158 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम डी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 04 एवं 05 बीरगांव में 138 बच्चों की स्क्रीनिंग, तिल्दा टीम बी द्वारा प्राथमिक शाला एवं मिडिल स्कूल तुलसी व मानपुर में 144 बच्चों की स्क्रीनिंग, आरंग टीम बी द्वारा चिरायु मेगा हेल्थ कैंप में 190 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम ए द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र कोटा वीर शिवाजी नगर एवं अटल नगर कोटा में 164 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें 01 बच्चा सस्पेक्टेड मिला व पूरे जिले में आज कुल 794 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई। सस्पेक्टेड पाए गए बच्चे को आगे के जांच के लिए श्री सत्य साईं हॉस्पिटल नवा रायपुर भेजा गया।

### आयुक्त कावरे ने छाती धान खरीदी केंद्र का किया निरीक्षण

**धमतरी।** आयुक्त महादेव कावरे ने धमतरी जिले के छाती धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खरीदी केंद्र में लगाए गए स्टैक का अवलोकन कर धान की बोरियों को व्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। आयुक्त कावरे ने धान के भंडारण, रख-रखाव एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने धान के परिवहन की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए उठाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने आगामी 1 मार्च से समर्थन मूल्य पर प्रारंभ होने वाली चना खरीदी की तैयारियों के संबंध में भी जानकारी ली। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इसके लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं—जैसे भंडारण, तौल, परिवहन एवं अन्य आधारभूत सुविधाएं—समुचित रूप से सुनिश्चित कर ली जाएं, ताकि खरीदी प्रक्रिया निर्विघ्न रूप से संचालित हो सके। इस अवसर पर एसडीएम पीयूष तिवारी, सीओ, सीसीबी गोस्वामी, तहसीलदार कुश प्रधान के अलावा अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

### प्रोजेक्ट ग्रीन पालनाः पर्यावरण संरक्षण का संदेश, प्रसूता माताओं को हरियाली की भेंट

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रतिबद्धता के अनुरूप रायपुर जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट ग्रीन पालना अभियान को प्रभावशाली ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अभिनव पहल के तहत शासकीय अस्पतालों में प्रसव उपरांत माताओं को फलदार पौधे भेंट स्वरूप दिए जा रहे हैं, ताकि एक नई ज़िंदगी के आगमन के साथ एक नया वृक्ष भी धरती पर जन्म ले। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में इस अभियान के तहत आज ग्रीन पालना में अभनपुर में 03 एवं एमसीएच कालीबाड़ी में 10 कुल 13 महिला प्रसुताओं को 65 पौधे भेंट किए गए। यह प्रयास मातृत्व के साथ प्रकृति से जुड़ाव को भी बढ़ावा देता है। सिर्फ नवजात के जीवन की शुरुआत को यादगार बनाता है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए हरियाली और शुद्ध वातावरण की नींव भी रखूता है।

# प्राध्यापक परीक्षा-2021 : 595 प्राध्यापक पदों की भर्ती में पारदर्शिता का नया अध्याय

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राज्य में प्राध्यापक (उच्च शिक्षा) परीक्षा-2021 के अंतर्गत 595 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया को तेज करते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने उच्च स्तरीय विषय-विशेषज्ञ समिति का गठन कर दिया है। यह समिति अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत शैक्षणिक दस्तावेजों और प्रमाण-पत्रों की गहन जांच कर अंतिम पात्रता निर्धारण करेगी।

ज्ञात हो इससे पहले 11 दिसंबर 2025 को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने उच्च शिक्षा विभाग को पत्र प्रेषित कर 35 अभ्यर्थियों की शैक्षणिक अर्हताओं की विस्तृत जांच के लिए विषय-विशेषज्ञ समिति गठित करने का अनुरोध किया था। आयोग ने 4 दिसंबर 2025 को आयोजित बैठक में

निर्णय लिया था कि दस्तावेज सत्यापन के दौरान उत्कृष्ट प्राध्यापक पद के लिए आवेदन करने वाले इन अभ्यर्थियों के अभिलेखों का विशेषज्ञ स्तर पर परीक्षण आवश्यक है। मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से जारी आदेश के अनुसार, चयन प्रक्रिया को यूजीसी विनियम 2018 के तहत निर्धारित अर्हताओं के अनुरूप आगे बढ़ाया जा रहा है। विज्ञापन की कंडिका 6 (2) (द्व1) (ख) के विशेष संदर्भ में विभिन्न विषयों के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जाएगी। गठित समिति में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्राध्यापकों को शामिल किया गया है।

समिति के संयोजक के रूप में निदेशक, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रोफेसर ओम प्रकाश व्यास को नियुक्त किया गया है। इसी तरह सदस्य के रूप में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष जैविक विज्ञान विभाग डॉ.एस.एस.सन्धु, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग के डॉ.पवन मिश्रा, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष गणित विभाग के डॉ. अवनीश कुमार,अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रींवा के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. एन. पी.पाठक,रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान के डॉ. विवेक मिश्रा तथा आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष रसायनशास्त्र विभाग के डॉ. नंद किशोर कराडे को शामिल किए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग की इस पहल को भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

# तकनीक संचालित प्रशासन भविष्य की आवश्यकता : विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भाग लेकर राज्य का प्रतिनिधित्व किया। वे लीडर्स प्लेनरी सत्र में शामिल हुए और शासन-प्रशासन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभावी उपयोग पर विशेष रुचि दिखाई। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सम्मेलन के दौरान एआई के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा वितरण सुनिश्चित करने तथा डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली विकसित करने के विभिन्न मॉडलों का अवलोकन किया। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, आंतरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के सफल उपयोग के उदाहरणों पर विशेष ध्यान दिया।

**छत्तीसगढ़ के स्टाल पहुंच किया अवलोकन**

समिट में छत्तीसगढ़ द्विवन बाई आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के स्टाल का भी अवलोकन किया। जहां इन्वेस्टमेंट कमिश्नर रितु सेन उनके दल द्वारा राज्य के आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से जुड़े नवाचारों को प्रदर्शित किया गया था। उन्होंने स्टाल का अवलोकन कर युवाओं के दल का उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव का द्वार भारत को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बनाने के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह शिखर सम्मेलन भारत द्वारा ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला वैश्विक एआई सम्मेलन है, जिसमें अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय भागीदारी देखने को मिली है। 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों, 60 मंत्रियों और 500 से अधिक वैश्विक एआई नेताओं की उपस्थिति इस आयोजन की महत्ता को दर्शाती है। शर्मा ने बताया कि नीति-निर्माताओं, प्रौद्योगिकी कंपनियों, नवप्रवर्तकों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर यह सम्मेलन इंडियाएआई मिशन और डिजिटल इंडिया पहल के अंतर्गत वैश्विक एआई विमर्श को ठोस एवं क्रियान्वयन योग्य विकास परिणामों में परिवर्तित करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने समिट के प्रति वैश्विक उत्साह को उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि 700 से अधिक प्रस्तावों की प्राप्ति इस बात का प्रमाण है कि पूरा विश्व भारत की एआई पहल को उत्साह से देख रहा है और सहयोग के लिए आगे आ रहा है।

शर्मा ने कहा कि तकनीक संचालित प्रशासन ही भविष्य की आवश्यकता है और छत्तीसगढ़ सरकार डिजिटल नवाचारों को अपनाकर सुशासन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करते हुए राज्य में एआई आधारित समाधान लागू करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

उपमुख्यमंत्री ने वैश्विक विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और तकनीकी कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर सहयोग की संभावनाएं तलाशीं। उनका मानना है कि एआई का समुचित उपयोग ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सेवा वितरण को अधिक प्रभावी बना सकता है। इस अवसर पर डीआरडीओ के स्टाल पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भारत में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर स्टीफन प्रिजनर से मुलाकात की।

इस दौरान दोनों के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग में तकनीक की भूमिका तथा विकासशील राज्यों में नवाचार आधारित समाधानों को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

# नल से जल ने बदली गांव की तस्वीर दीपा की जिन्दगी में आई खुशहाली

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** जल जीवन मिशन के माध्यम से भारत के प्रत्येक ग्रामीण परिवार के लिए सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करना है, ताकि सभी घरों, स्कूलों और आंगनवाडी केन्द्रों तक नल से पानी पहुंच सके इसी परिप्रेक्ष्य में ग्रामीण जीवन में बदलाव की एक प्रेरक और सशक्त कहानी ग्राम पंचायत चौघड़ा के लोहारपारा से सामने आई है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ की निवासी दीपा के लिए स्वच्छ पेयजल कभी एक सपना हुआ करता था, जिसे पूरा करने के लिए रोज़ाना लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। घर से दूर स्थित कुएँ से पानी लाने में उनका काफी समय और मेहनत खर्च हो जाता था, जिससे दैनिक जीवन के अन्य कार्य प्रभावित होते थे।

हर घर नल से जल योजना के लागू होने के बाद दीपा और उनके परिवार का जीवन पूरी तरह बदल गया है। अब उनके घर पर ही शुद्ध और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है। पानी के लिए भटकने की मजबूरी खत्म हो गई है और समय की बचत होने से दीपा अब परिवार, बच्चों और अन्य घरेलू कार्यों पर बेहतर ध्यान दे पा रही हैं। सबसे बड़ा बदलाव स्वास्थ्य के क्षेत्र में देखने को मिला है, जहां स्वच्छ पानी के कारण परिवार की सेहत में स्पष्ट सुधार हुआ है। दीपा बताती हैं कि नल से जल मिलने के बाद जीवन में सुविधा, सम्मान और सुरक्षा का एहसास बढ़ा है। उन्होंने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना केवल पानी नहीं, बल्कि बेहतर जीवन की गारंटी लेकर आई है। उनके शब्दों में यह पहल हमारे जीवन को ही नहीं, बल्कि पूरे गांव के भविष्य को बदल रही है।

जल जीवन मिशन की यह पहल आज ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सुधार का सशक्त उदाहरण बन चुकी है। चौघड़ा गांव की दीपा की कहानी यह साबित करती है कि जब योजनाएं ज़मीन पर उतरती हैं, तो वे सिर्फ नल से पानी नहीं, बल्कि लोगों की ज़िंदगी में खुशहाली और आत्मसम्मान भी पहुंचाती हैं।

# पीएम आवास योजना से साकार हुआ सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का सपना

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से कबीरधाम जिले के जनपद पंचायत पंडरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत डबरी निवासी श्याम बाई के जीवन सकारात्मक बदलाव आया है। किसान परिवार से संबंधित श्याम बाई एवं उनके पति परसन पूर्व में जर्जर कच्चे मकान में निवास करते थे। बरसात के दौरान टपकती छत और क्षतिग्रस्त दीवारों के कारण परिवार निरंतर असुरक्षा की स्थिति में जीवनयापन कर रहा था।

योजना अंतर्गत स्वीकृति मिलने पर आवास निर्माण हेतु 1.20 लाख रुपये की राशि तीन किश्तों में डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। पंचायत एवं मैदानी अमले के मार्गदर्शन से निर्धारित समयावधि में पक्का आवास पूर्ण हुआ। परिवार को अन्य शासकीय योजनाओं का भी समन्वित लाभ प्राप्त हुआ है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत 90 मानव दिवस के बदले लगभग 22 हजार रुपये की मजदूरी, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण से शौचालय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन, नल-जल एवं विद्युत सुविधा, आयुष्मान भारत योजना से स्वास्थ्य सुरक्षा तथा पेंशन एवं अन्य योजनाओं से नियमित आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है। कलेक्टर कबीरधाम गोपाल वर्मा ने बताया कि जिले में आवास निर्माण कार्यों की सतत समीक्षा की जा रही है। जिले में 50,869 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 27,966 आवास पूर्ण हो चुके हैं।

# उपभोक्ता न्याय व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तकनीकी एवं विधिक सुधारों की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में तकनीकी, डिजिटल व्यवस्था, प्रक्रियात्मक सुधार और विधायी संशोधनों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया गया कि ई-प्रणालियों का विस्तार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग की जानकारी दी गई। वहीं ई-जागृति, ई-फाइलिंग और ई-हियरिंग'' जैसी डिजिटल सुविधाओं के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से उपभोक्ताओं को घर बैठे शिकायत दर्ज करने और सुनवाई में भाग लेने की सुविधा मिल रही है। उपभोक्ता न्याय को किफायती, पारदर्शी और त्वरित बनाने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

अधिकारियों ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान शिकायत स्वीकृति की प्रक्रिया, उपभोक्ता आयोग के आर्थिक एवं क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार, शिकायत और जवाब दावा प्रस्तुत करने की समय-सीमा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को स्पष्ट किया। इस दौरान यह भी बताया गया कि यदि प्रतिवादी पक्ष 30 दिनों की निर्धारित अवधि या अधिकतम 15 दिनों की अतिरिक्त अवधि (कुल 45 दिन) में लिखित बयान प्रस्तुत नहीं करता है, तो उसके साक्ष्यों पर विचार सीमित हो सकता है। साथ ही प्रतिवादी को शिकायतकर्ता के गवाहों से जिरह का अवसर और उसकी सीमा पर भी चर्चा हुई।

अधिकारियों एवं न्यायमूर्तियों ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बढ़ती चुनौतियों, डार्क पैटर्न जैसी भ्रामक डिजाइन तकनीकों और झूठे व भ्रामक विज्ञापनों के मुद्दों पर चर्चा की। क्षेत्राधिकार संबंधी विवादों और तकनीकी जटिलताओं के त्वरित समाधान हेतु वर्तमान संरचना में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया। निष्पादन आवेदन के त्वरित और प्रभावी निपटारे के लिए व्यावहारिक कठिनाइयों और प्रणालीगत विलंब संबंधी जानकारी दी गई। सभी उपभोक्ता आयोगों में प्रक्रियात्मक एकरूपता लाने, मानकीकृत नियम एवं दिशानिर्देश अपनाने तथा केस मैनेजमेंट को सुव्यवस्थित करने पर भी जोर दिया गया।

उपभोक्ता संरक्षण आयोग के अधिकारियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल उपभोक्ताओं को त्वरित, पारदर्शी और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

# छत्तीसगढ़ को हर्बल ग्रोथ इंजन बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है बोर्ड : विकास मरकाम

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, औषधीय पौधों के संरक्षण, संवर्धन, खेती, विपणन और अनुसंधान के लिए की गई थी। यह बोर्ड गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री सुनिश्चित करने, किसानों के लिए सब्सिडीऔर औषधीय क्षेत्र के विकास के लिए नीतियां लागू करता है। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने कल जिला धमतरी में बोर्ड के सहयोग से संचालित विभिन्न योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया।

अध्यक्ष मरकाम ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप और वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ शासन के विजन 2047 के अंतर्गत राज्य को भारत का हर्बल ग्रोथ इंजन बनाने के लिए बोर्ड मिशन मोड में कार्य कर रहा है। औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष मरकाम ने निरीक्षण के दौरान नदियों के किनारे खस की खेती, लेमनग्रास और ब्राम्ही की खेती, बाड़ी योजना के अंतर्गत लगाए गए सिंदूरी पौधारोपण सहित अन्य गतिविधियों की समीक्षा की। श्री मरकाम ने औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती कर रहे किसानों और महिला स्व-सहायता समूहों से उनके खेतों में जाकर मुलाकात की। उन्होंने किसानों से चर्चा कर जाना कि शासन की ओर से उन्हें और किस प्रकार की सहायता की आवश्यकता है। इस दौरान महिलाओं और किसानों ने उत्साहपूर्वक कहा कि अब छत्तीसगढ़ में खेती करने में सम्मान और बेहतर आय दोनों मिल रहे हैं। अध्यक्ष मरकाम ने जानकारी दी कि पिछले दो वर्षों में बोर्ड ने कई नवाचार मॉडल शुरू किए हैं। इनमें बाड़ी औषधीय पौधारोपण के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, पंचायतों की खाली भूमि पर स्व-सहायता समूहों द्वारा औषधीय खेती (कन्वर्जेन्स मॉडल), कस्टम फार्मिंग मॉडल के तहत निजी निवेशकों के सहयोग से औषधीय खेती, पैडी डायवर्सन मॉडल के माध्यम से धान की जगह वच और ब्राम्ही जैसी लाभकारी फसलों का उत्पादन, नदियों के किनारे अनुपयोगी भूमि पर खस जैसी सुगंधित फसलों की खेती तथा ग्रामीण चारागाह भूमि को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है और राज्य जल्द ही किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य प्राप्त करेगा। फील्ड विजिट के दौरान बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जे.ए.सी.एस. राव भी उपस्थित रहे। उन्होंने अध्यक्ष श्री विकास मरकाम तथा ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि बोर्ड आने वाले समय में और अधिक तेजी से कार्य करेगा।

# लंबित ऋण प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें बैंक - अपर आयुक्त

श्रीकंचनपथ समाचार

**कोरबा।** कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में बैंको की बैठक लेकर पीएम स्वनिधि योजना के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई, समीक्षा करते हुए अपर आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने लंबित प्रकरणों पर अफसोस जाहिर करते हुए बैंकों को निर्देश दिये कि योजना के अंतर्गत लंबित सभी ऋण प्रकरणों का त्वरित निराकरण कराये ताकि शासन की मंशा के अनुरूप योजना का लाभ संबंधित हितग्राहियों को त्वरित रूप से प्राप्त हो सके।

भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजना प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत शहरी पथ विक्रेताओं को 15 हजार रूपये का बिना गारंटी वाला कार्यशील पूंजी ऋण दियाजाता है, फिर बाद में 25 हजार रूपये एवं 50 हजार रूपये के ऋण 07 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी के साथ प्रदान किये जाते हैं, इस योजना का मुख्य उद्देश्य पथ विक्रेताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना, डिजिटल लेन-देन का बढ़ावा देना एवं पथ विक्रेताओं को हुए आर्थिक नुकसान से उबरना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद करना है।

कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में निगम कार्यालय में आयोजित बैंकों की बैठक में योजनांतर्गत लंबित ऋण प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा अपर आयुक्त श्री विनय मिश्रा के द्वारा की गई।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

# परफेक्ट मुस्कान के पीछे उम्मीदों के बोझ को तलाशती - संदीपा धर

**ऐसी दुनिया में जहाँ परफेक्शन की सराहना तो होती है, लेकिन उसके पीछे छिपी भावनाओं को शायद ही कोई समझना चाहता है, वहां संदीपा धर दो दीवाने सहर में में नैना के एक बेहद संवेदनशील किरदार के साथ सामने आ रही हैं।**

नैना एक ऐसी युवती है, जो बाहर से पूरी तरह सुलझी हुई, आत्मविश्वासी और परफेक्ट दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर अपनी पहचान, अकेलेपन और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रही है। विशेष रूप से सलीके से सजी मुस्कान और सहज अंदाज़ के पीछे छिपी एक ऐसी कहानी, जो अपने अस्तित्व के साथ हर हाल में ठीक दिखने की थकान को बयां करती है।

अपने किरदार नैना के बारे में बात करते हुए संदीपा कहती हैं, नैना वो लड़की है, जिसमें हममें से बहुत से लोग खुद को देख सकते हैं। वो मुस्कुराती है, हर ज़िम्मेदारी निभाती है और बाहर से लगता है कि सब कुछ कंट्रोल में है। लेकिन अंदर ही अंदर वो खुद से कटी हुई है, जैसे वो अपनी ही ज़िंदगी में एक किरदार निभा रही हो और असली खुद को भूल चुकी हो। हालांकि आज के समय में ये दबाव बहुत आम बात है, जहां हर हाल में ठीक दिखने की अपेक्षा की जाती है, फिर चाहे आपके अंदर कुछ भी चल रहा हो।

फिल्म की भावनात्मक गहराई पर बात करते हुए संदीपा आगे कहती हैं, दो दीवाने सहर में मुझे इसलिए खास लगी क्योंकि यह नज़रअंदाज़ होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है। कई बार जितना ज़्यादा आप परफेक्ट दिखते हैं, उतना ही मुश्किल हो जाता है ये स्वीकार करना कि अंदर कुछ टूट रहा है। सच खून तो नैना की जर्नी आईने के सामने खड़े होने और शायद पहली बार खुद से ईमानदार होने की है।

अपने किरदार से जुड़ी उम्मीदों पर संदीपा कहती हैं, मुझे यकीन है कि फिल्म देखने के बाद लोग खुद से ये ज़रूर पूछेंगे कि दुनिया की उम्मीदों से परे वे कौन हैं? हालांकि मेरी कोशिश है कि वे खुद को देखा हुआ महसूस करें, क्योंकि हर शांत और सधे हुए चेहरे के पीछे एक कहानी होती है, जो हमेशा सुनी नहीं जाती।

सच पूछिए तो 20 फरवरी को रिलीज़ हो रही फिल्म दो दीवाने सहर में के ज़रिए संदीपा धर दर्शकों को उन मुखौटों पर सवाल उठाने का, जिन्हें हम रोज़ पहनते हैं, और उन आईनों से सामना करने का, जिनसे हम अक्सर नज़रें चुरा लेते हैं का मौक़ा देती हैं। इसी के साथ नैना की कहानी के माध्यम से यह फिल्म कई दिलों की सच्चाई को न सिर्फ सामने लाने की कोशिश करती है, बल्कि उन्हें थोड़ा सुकून भी देती है।

## एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर ने अजित कुमार के लिए लिखा खास नोट, एक्टर के जज्बे को बताया प्रेरणादायक

तमिल सुपरस्टार अजित कुमार फिलहाल अपनी रेसिंग टीम के साथ इंटरनेशनल कार रेसिंग प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। इस बीच एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर ने उनके लिए एक खास नोट शेयर किया है।

मलयालम एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर ने हाल ही में तमिल सुपरस्टार अजित कुमार के लिए एक खास नोट शेयर किया है। फिल्म 'गुड बैड अगली' में उनके साथ काम कर चुकीं प्रिया उन्हें चीयर करने पहुंची थी। इसी की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर कर उन्होंने अजित के लिए कुछ खास लिखा।

प्रिया ने अबू धाबी के यास मरीना सर्किट से कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, 'प्योर पैशन, डिसिप्लिन और निडर समर्पण जिस तरह वह जिंदगी और रेसिंग दोनों में बेहतरीन बनने की कोशिश करते हैं, वह बेहद प्रेरित करने वाला है। असली महानता अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने, विनम्र रहने और अपने जुनून को कभी न छोड़ने में है। अजित सर, मुझे बुलाने के लिए धन्यवाद! आपके और आपकी शानदार टीम के साथ रहना बहुत खास लगा। हम आपके लिए चीयर कर रहे हैं।'

बता दें, अजित कुमार इन दिनों अपनी रेसिंग टीम के साथ इंटरनेशनल कार रेसिंग प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। प्रिया से पहले तमिल स्टार शिवकार्तिकेयन भी अबू धाबी पहुंचकर अजित और उनकी टीम से मुलाकात कर चुके हैं।

### इस फिल्म में नजर आएंगी प्रिया

एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर हाल ही में निर्देशक अखिल सथ्यान की फिल्म 'सर्वम माया' में कैमियो रोल में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ निविन पॉली और रिया शिबू भी अहम भूमिकाओं में थे।

अब खबर है कि प्रिया जल्द ही हीस्ट थ्रिलर फिल्म '3 मंकीज' में दिखाई देंगी, जिसे डायरेक्टर जोड़ी अब्बास-मस्तान बना रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मल्टी-स्टारर फिल्म में अर्जुन रामपाल और रानी मुखर्जी समेत कई बड़े नाम शामिल हैं।

## लॉस एंजिल्स में हुआ फिल्म 'द ब्लफ' का वर्ल्ड प्रीमियर, प्रियंका चोपड़ा संग स्टाइलिश अंदाज में नजर आए निक जोनस

**हाल ही में प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'ब्लफ' का लॉस एंजिल्स में प्रीमियर हुआ है। सोशल मीडिया पर दोनों की शानदार तस्वीरें वायरल हो रही हैं।**

फिल्म 'द ब्लफ' के वर्ल्ड प्रीमियर में कलाकार और निर्माता प्रियंका चोपड़ा जोनस और निक जोनस 17 फरवरी, 2026 को लॉस एंजिल्स पहुंचे। प्रियंका और निक की कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल नीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं।

### 'द ब्लफ' का विश्व प्रीमियर

कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स शहर में हाल ही में प्रियंका चोपड़ा जोनस की आगामी फिल्म 'द ब्लफ' का विश्व प्रीमियर हुआ है। इसके प्रीमियर पर फिल्म की स्टार कास्ट के अलावा कई सेलेब्स ने शिरकत की। 'द ब्लफ' के प्रीमियर में निक जोनस का स्टाइलिश और रोमांटिक अंदाज दोनों देखने को मिला। सोशल मीडिया पर प्रीमियर के दौरान के कई वीडियो और तस्वीरें वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में प्रियंका पति निक को प्यार से किस करती नजर आई। वहीं एक वीडियो में 'द ब्लफ' की पूरी स्टार कास्ट एक साथ पोज देती नजर आई।

### कब रिलीज होगी 'द ब्लफ'

'द ब्लफ' (\) 25 फरवरी, 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है। यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। फैंक ई. फ्लावर्स द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा जोनस, कार्ल अर्बन और इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। 19वीं सदी की कैरेबियन पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक पूर्व समुद्री डाकू की कहानी है, जो अपने परिवार की रक्षा के लिए अपने खूनी अतीत का सामना करती है। समुद्री डाकू का किरदार प्रियंका ने निभाया है।

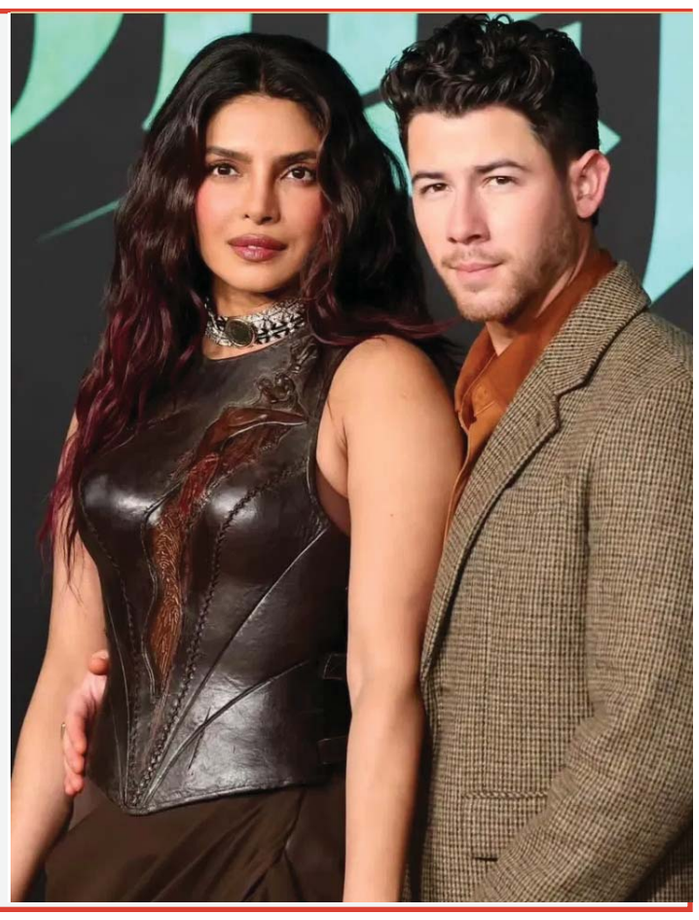

## बॉक्स ऑफिस पर ओ रोमियो को लगा झटका, चौथे दिन इतनी नीचे आ गिरी कमाई

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की थ्रिलर-एक्शन फिल्म ओ रोमियो को पहले दिन शानदार ओपनिंग मिली थी। कमाई का करिश्माई सफर वीकेंड पर भी जारी रहा, लेकिन कारोबारी दिनों में कलेक्शन में भारी गिरावट देखने को मिली है। विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित ओ रोमियो रिलीज के चौथे दिन में आकर भी 50 करोड़ का आंकड़ा पार करने से चूक गई है। दूसरी ओर, 14 फरवरी को रिलीज तू या मैं की कमाई का गणित पूरी तरह से बिगड़ चुका है।

सैकनिल्क के मुताबिक, शाहिद की फिल्म ओ रोमियो मंडे टेस्ट को पार करने में फेल साबित होती दिखी है, क्योंकि इसने कुल 4.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म ने दूसरे दिन 12.65 करोड़ और तीसरे दिन 9 करोड़ कमाए थे, लेकिन सोमवार को आंकड़ों में तगड़ी गिरावट आई है। 4 दिनों में इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 34.90 करोड़ रुपये कमाए हैं। चूकि फिल्म का बजट 130 करोड़ है जिसे पार करना फिलहाल मुश्किल लग रहा है।

शनाया कपूर और आदर्श गौरव की फिल्म तू या मैं बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ती दिखी है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने रिलीज के चौथे दिन, यानी सोमवार को सिर्फ 35 लाख रुपये कमाए हैं जिसके बाद कुल कमाई 3.2 करोड़ रुपये हुई है। हैरानी की बात यह है कि फ्लॉप फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से डेब्यू करने वालीं शनाया की दूसरी फिल्म भी डिजास्टर बन चुकी है। इसका पूरे हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर टिके रहना भी मुश्किल लग रहा है।

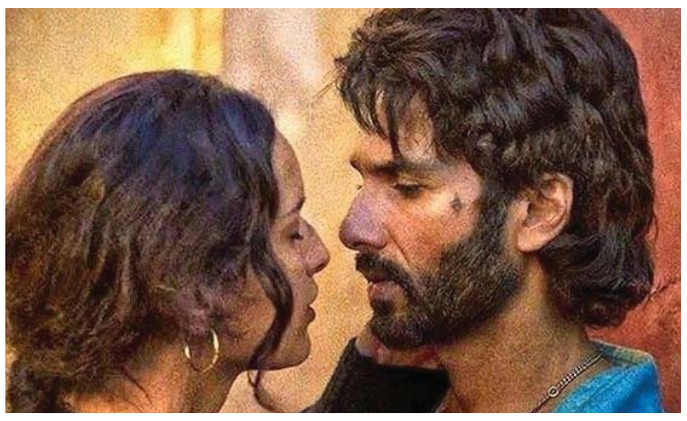

## बॉर्डर 2 के बाद फिर गदर मचाएंगे सनी देओल, लाहौर 1947 की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

बॉलीवुड के एक्शन किंग सनी देओल एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने आ रहे हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म लाहौर 1947 की रिलीज डेट आधिकारिक तौर पर घोषित कर दी गई है। आमिर खान प्रोडक्शंस ने इसकी घोषणा की, कि फिल्म 13 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये तारीख स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के हफ्ते में आती है, जो फिल्म की थीम को और भी खास बनाती है।

लाहौर 1947 एक पीरियड ड्रामा है, जो 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, जबकि प्रीति जिंटा (7 साल बाद बॉलीवुड में वापसी), शबाना आजमी, करण देओल, मिथुन चक्रवर्ती, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे। निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है, जो सनी देओल के साथ घायल, दामिनी, गदर जैसी हिट फिल्में बना चुके हैं।

ये पहली बार है जब सनी देओल, राजकुमार संतोषी और आमिर खान एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने कंपोज किया है और गाने जावेद अख्तर के लिखे हैं। शूटिंग फरवरी 2024 में शुरू हुई और अक्टूबर 2025 में पूरी हुई। पहले ये फिल्म 26 जनवरी 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पोस्ट-प्रोडक्शन में देरी के कारण अब अगस्त 2026 में आ रही है।

आमिर खान ने स्टेटमेंट में कहा- ये स्क्रिप्ट धर्मेंद्र जी की सबसे पसंदीदा थी। सनी देओल के लिए ये फिल्म बॉर्डर 2 के बाद एक और बड़ा प्रोजेक्ट है। गदर 2 की सफलता के बाद फैंस उन्हें फिर से पावरफुल रोल में देखने के लिए बेताब हैं। विभाजन की संवेदनशील कहानी को राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन में देखना रोमांचक होगा। फिल्म में इमोशन, एक्शन और ऐतिहासिक ड्रामा का मिश्रण होगा, जो ऑडियंस को थिएटर तक खींचेगा। ट्रेलर और पोस्टर का इंतजार अब और बढ़ गया है। बॉलीवुड में ये फिल्म इंडिपेंडेंस डे वीक में धमाल मचाने वाली है।

## सफेद चॉकलेट से बन सकती हैं ये 5 पारंपरिक मिठाइयां, जिनका स्वाद होगा बेमिसाल

सफेद चॉकलेट का नाम सुनते ही लोगों के मन में विदेशी मिठाइयों का ही ख्याल आता है। हालांकि, इस लजीज चॉकलेट से आप कई तरह की पारंपरिक मिठाइयां भी बना सकते हैं। जी हां, सफेद चॉकलेट का इस्तेमाल करके आप पारंपरिक भारतीय मिठाइयों को एक नया ट्विस्ट दे सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी पारंपरिक मिठाइयों की रेसिपी बताते हैं, जिनका स्वाद सफेद चॉकलेट मिलाने से और भी ज्यादा बढ़ सकता है।

### सफेद चॉकलेट की बर्फी

बर्फी एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है और इसे आप सफेद चॉकलेट के साथ बना सकते हैं। इसके लिए दूध के पाउडर, चीनी और घी को मिलाकर एक मिश्रण तैयार करें। इसके बाद इसमें पिघली हुई सफेद चॉकलेट मिलाएं। इस मिश्रण को थाली में फैलाकर ठंडा होने दें और बाद में इसे टुकड़ों में काटकर परोसें। यह बर्फी बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद आएगी और त्योहारों या विशेष अवसरों पर इसे बनाना आपके मेहमानों को खुश कर देगा।

### सफेद चॉकलेट का हलवा

हलवा भारतीय खान-पान का एक अहम हिस्सा है और जिसे सफेद चॉकलेट के साथ एक नया ट्विस्ट दिया जा सकता है। इसके लिए सूजी, दूध, चीनी और घी को मिलाकर एक गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। इसके बाद इसमें पिघली हुई सफेद चॉकलेट मिलाएं। इस मिश्रण को धीमी आंच पर पकाते रहें, जब तक कि हलवा गाढ़ा न हो जाए। ऊपर से कटे हुए मेवे डालकर इसे सजाएं और गर्मा-गर्म परोसें।

### सफेद चॉकलेट का रसगुल्ला

रसगुल्ला पश्चिम बंगाल की एक मशहूर मिठाई है, जिसे आप सफेद चॉकलेट से एक अनोखा स्वाद दे सकते हैं। इसके लिए पहले चाशनी तैयार करें, फिर छेने के गोल आकार बनाकर उन्हें इसमें डालें। अब इन रसगुल्लों को ठंडा होने दें। इसके बाद परोसने से पहले हर रसगुल्ला के ऊपर थोड़ी-सी पिघली हुई सफेद चॉकलेट डालें। इससे रसगुल्लों का स्वाद और भी बढ़ जाएगा और ये देखने में भी बेहद आकर्षक लगेंगे।

### सफेद चॉकलेट के लड्डू

लड्डू भारतीय त्योहारों का एक अहम हिस्सा होते हैं और इन्हें आप सफेद चॉकलेट के साथ बना सकते हैं। इसके लिए बेसन, पिसी चीनी, घी और इलायची पाउडर आदि सामग्री लेकर उनका मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण में पिघली हुई सफेद चॉकलेट डालें और अच्छी तरह मिलाएं। इसके छोटे-छोटे गोले बनाकर उन्हें मेवों से सजा लें। ये लड्डू खाने के बाद आपके घर वाले आपकी खूब तारीफ करेंगे और बार-बार खाने की जिद करेंगे।

### सफेद चॉकलेट की काजूकतली

काजूकतली एक पारंपरिक मिठाई है, जिसे काजू के पाउडर और चीनी से बनाया जाता है। इसे आप सफेद चॉकलेट के साथ नया रूप दे सकते हैं। इसके लिए पहले काजू के पाउडर, पिसी चीनी और दूध आदि सामग्री लेकर उनका मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण में पिघली हुई सफेद चॉकलेट डालें और अच्छी तरह मिलाएं। छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इस मिठाई को परोसें। इसके ऊपर चांदी का वर्क लगाना न भूलें।

# उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नगर पालिक निगम केारबा के रविशंकर नगर जोनांतर्गत वार्ड क्र. 28 एवं वार्ड क्र. 27 में 72 लाख रूपये के नये विकास कार्य कराये जाएंगे। आज प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत ने इन विकास कार्यो का भूमिपूजन किया। उन्होने शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया तथा पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य संपादन करते हुए निर्धारित समयसीमा में विकास कार्यो को पूरा करने के निर्देश निगम के अधिकारियों व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को दिये।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 28 अंतर्गत कुआंभट्ठा बुधवारी बायपास स्थित विवेकानंद सेवा सदन कोरबा के द्वितीय तल में 25 लाख रूपये की लागत से हाल व कक्ष का निर्माण एवं अन्य विस्तार कार्य किये जाने हैं। इसी प्रकार वार्ड क्र. 28 अंतर्गत कन्या महाविद्यालय के पीछे ब्रम्हवाटिका के पास 05 लाख रूपये की लागत से किचन शेड का निर्माण एवं वार्ड क्र. 28 के ही अंतर्गत अपना घर के पास 30 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण एवं अन्य विस्तार कार्य कराये जाने हैं।

इसी प्रकार वार्ड क्र. 27 के अंतर्गत महाराणा प्रताप नगर एक्सटेशन में 12 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी.नाली व कलवर्ट का निर्माण भी निगम द्वारा कराया जाना हैं। महाराणा प्रताप नगर स्थित दशहरा मैदान में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान आज

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में इन सभी विकास कार्यो का विधिवत भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान पार्षद नरेन्द्र देवागन, मेयर इन काउंसिल की सदस्या धनकुमारी गर्ग, पार्षद किशन कैवर्त, पंकज देवांगन, प्रताप सिंह कंवर, मुंकुद सिंह कंवर, मण्डल अध्यक्ष राजेश राठौर, अजय विश्वकर्मा, रूकमणी नायर, ज्योति वर्मा, झकेन्द्र देवांगन, अजय दास वैष्णव, जयकृष्ण तिवारी, सोनू भाटिया, श्रीधर द्विवेदी, सुशील गर्ग, डॉ.प्रदीप देवांगन, छेदीलाल देवांगन, शिव जायसवाल, एस.एन.श्रीवास, सुरेन्द्र राजवाड़े, धर्मपाल सोलंकी, सहित गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित थे।

### कोरबा की जनता का विश्वास मेरी अमूल्य धरोहर

इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि कोरबा की देवतुल्य जनता ने सदैव मुझ पर अपना विश्वास व्यक्त किया है तथा जनताजनार्दन का यह विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी धरोहर है। उन्होने कहा कि कोरबा नगर निगम क्षेत्र में जनता जनार्दन की इच्छा व उनकी आवश्यकता के अनुसार दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी वार्डो में समान रूप से विकास कार्य कराये जा रहे हैं, विगत 02 वर्ष व 01 महीने के इस कार्यकाल में नगर निगम कोरबा क्षेत्र के लिये विभिन्न मदों से 850 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत किये गये हैं, वहीं यदि सम्पूर्ण कोरबा जिले की बात की जाय, तो जिले में लगभग 5000 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं। उन्होने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि नरेन्द्र मोदी हमें देश के प्रधानमंत्री के रूप में मिले, जिनके कार्यो एवं निर्णयों से भारत का सम्मान विश्व स्तर पर बढ़ा है, वहीं जिनके मार्गदर्शन में देश का तेजी से विकास हो रहा है। रेल, सड़क, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ किसान, मजदूर, श्रमिक, महिला, युवा एवं समाज के सभी वर्गो के लिए प्रधानमंत्री मोदी लगातार कार्य कर रहे हैं, तो वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ राज्य को विकसित राज्य बनाने की दिशा में अग्रसर हैं।

### भवन जनसेवा में समर्पित

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 27 महाराणा प्रताप नगर दशहरा मैदान में सामुदायिक भवन का निर्माण 04 लाख रूपये की लागत से कराया गया है, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत ने उक्त नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण करते हुए भवन को जनसेवा हेतु समर्पित किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री देवांगन ने सामुदायिक भवन में कुर्सी व टेबल की उपलब्धता किये जाने हेतु अपने मद से 25 हजार रूपये की घोषणा की तथा उक्त राशि तत्काल दिये जाने के संबंध में त्वरित आवश्यक कार्यवाही के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

### कोरबा के विकास में फिर से पकड़ी है तेज गति

इस मौके पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि कुछ वर्षो से कोरबा का विकास रूका हुआ था, अब उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में कोरबा ने पुनः विकास की रफ्तार पकड़ ली है तथा निगम के सभी वार्डो में बड़े पैमाने पर विकास कार्य हो रहे हैं, बर्षो की समस्याएं दूर की जा रही है। उन्होने आगे कहा कि उद्योग मंत्री देवांगन और मैं खुद ग्राम बस्ती व स्लम बस्ती के रहने वाले हैं, इन बस्तियों की समस्याओं से परिचित हैं, और समस्याओं को दूर करने का कार्य लगातार कर रहे हैं। महापौर राजपूत ने आगे कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन का लगातार आशीर्वाद व मार्गदर्शन कोरबा के विकास के लिए हमें प्राप्त हो रहा है।

# राज्य की माताएं होंगी सशक्त, ग्राम पंचायतें बनाएंगी महतारी सदन

## पंचायतों को सशक्त करने के लिए उपमुख्यमंत्री शर्मा की पहल पर लिया निर्णय

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और पंचायतों को अधिक अधिकार देने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल पर अब महतारी सदनों का निर्माण कार्य के लिए क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है।

लंबे समय जनप्रतिनिधियों की मांग को दृष्टिगत रखते हुए लिए गए इस निर्णय से जहां एक ओर पंचायतों की भूमिका और जिम्मेदारी बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों के लिए सशक्त मंच उपलब्ध होगा। महतारी सदन महिलाओं के लिए बैठक, प्रशिक्षण, स्व-सहायता समूह की गतिविधियों एवं आजीविका संवर्धन का केंद्र बनेंगे।

ग्राम पंचायतों को कार्य एजेंसी

बनाये जाने पर कार्य प्रक्रिया में तेजी आएगी। इसके लिए विभाग द्वारा मार्गदर्शिका भी जारी की गई है। जिसके अनुसार महतारी सदन हेतु प्रशासकीय स्वीकृति जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा दी जाएगी तथा तकनीकी मार्गदर्शन ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा प्रदान किया जाएगा। कार्यों की नियमित निगरानी एवं मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाएगा। स्वीकृति के लिए निश्चित प्रक्रिया भी तय की गयी है।

कार्यों में एकरूपता के दृष्टिकोण से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्य का एक मानक डिजाईन एवं प्राक्कलन भी तैयार किया गया है। कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का प्रतिवदेन जिला पंचायत के माध्यम से प्रत्येक माह की 05 तारीख तक संचालक पंचायत, संचालनालय छत्तीसगढ़ को अनिवार्यतः उपलब्ध कराना होगा।

प्रशासकीय एवं तकनीकी स्वीकृति के पश्चात् एक माह के भीतर कार्य प्रारंभ करना आवश्यक होगा तथा 06 से 08 माह के भीतर कार्य पूर्ण कराने की जिम्मेदारी भी कार्य पंचायतों की होगी। महतारी सदनों के निर्माण से ग्राम पंचायतें अधिक सशक्त होंगी और गांवों में महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह पहल राज्य में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देने वाली साबित हो रही है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में 368 महतारी सदनों के निर्माण हेतु 100 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। जिसके लिए प्रति महतारी सदन 30 लाख रुपए की लागत निर्धारित की गई है, जिसकी शत-प्रतिशत राशि राज्य शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है।

# जगरगुंडा में लौटी खुशहाली, सोलर लाइट से रोशन हुई गलियां, 22 साल बाद बैंक सेवा फिर शुरू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी नक्सल हिंसा और भय के कारण मुख्यधारा से कट चुका जगरगुंडा अब विकास और सुशासन की नई पहचान बन रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रयासों से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है।

### अंधेरे से उजाले की ओर

पिछले दो दशकों में जगरगुंडा क्षेत्र ने संपर्क व्यवस्था की कमी, सुरक्षा चुनौतियों और मूलभूत सुविधाओं के अभाव का कठिन समय देखा। वर्ष 2006 के बाद पुल-पुलियों के क्षतिग्रस्त होने और सुरक्षा कारणों से क्षेत्र लगभग अलग-थलग हो गया था। शाम होते ही आवाजाही पर प्रतिबंध जैसी स्थिति रहती थी। अब प्रशासन की पहल से हालात बदल रहे हैं और क्षेत्र सामान्य जीवन की ओर लौट रहा है। लोंगो को आवागमन के साधन सहित सभी मूलभूत सुविधाएं मिल रहा है।

### सोलर स्ट्रीट लाइट से मिली रोशनी

जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से पूरे जगरगुंडा क्षेत्र में सोलर स्ट्रीट लाइट

लगाई गई है। जहां पहले शाम होते ही अंधेरा और सन्नाटा छा जाता था, वहां अब सोलर स्ट्रीट लाइट से रोशनी और सुरक्षा का माहौल बना है। इससे ग्रामीणों की आवाजाही आसान हुई है और बाजार में गतिविधियों में भी बढ़ोतरी हुई है।

### 22 वर्षों बाद बैंकिंग सेवा शुरू

वर्ष 2003 में जगरगुंडा में बैंक लूट की घटना के बाद क्षेत्र में बैंकिंग सेवाएं बंद हो गई थीं। अब वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री श्री साय की पहल से इंडियन ओवरसीज बैंक की शाखा शुरू होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। अब लोगों को बैंकिंग कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ता, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है।

### विकास कार्यों से बदल रही तस्वीर

कलेक्टर सुकमा ने बताया कि जगरगुंडा का विकास केवल भौतिक सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के लोगों में विश्वास और नई उम्मीद का प्रतीक है। तहसील भवन का निर्माण प्रारंभ हो चुका है। डीएमएफमद से एक करोड़ तीस लाख रुपए की लागत से बस स्टैंड बनाया जाएगा। हाईटेक नर्सरी के लिए डेढ़ करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं। वन विभाग रेंज कार्यालय का निर्माण जारी है तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का कार्य मई 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है।

### प्रशासन और जनभागीदारी से संभव हुआ बदलाव

जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और ग्राम पंचायत के समन्वय से शासन की योजनाएं अब जमीन पर दिखाई दे रही हैं। स्थानीय जनभागीदारी के कारण विकास कार्यों को गति मिली है और जगरगुंडा अब विकास और सुशासन के नए दौर में प्रवेश कर रहा है।

# सरस्वती निःशुल्क सायकल योजना से छात्राओं को मिली नई उड़ान

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** शासन की सरस्वती सायकल योजना बालिकाओं की शिक्षा, सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत छात्राओं को निःशुल्क सायकल प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिल रही है तथा समय और ऊर्जा की बचत हो रही है।

सूरजपुर जिला के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चंदन नगर (विकासखंड प्रेमनगर) की छात्रा कु. मायावती को योजना के तहत निःशुल्क सायकल प्रदान की गई। मायावती का विद्यालय उसके घर से लगभग 4 किलोमीटर दूर स्थित है। पूर्व में उसे प्रतिदिन पैदल विद्यालय आना-जाना पड़ता था, जिससे शारीरिक थकान के साथ-साथ पढ़ाई के लिए मिलने वाला महत्वपूर्ण समय भी कम हो जाता था।

सरस्वती निःशुल्क सायकल योजना का लाभ मिलने के बाद मायावती का जीवन काफी बदल

गया है। अब वह प्रतिदिन सायकल से विद्यालय पहुँचती है। लंबी दूरी अब उसके लिए बाधा नहीं रही, बल्कि उसका सफर सुरक्षित, सुगम और आनंददायक बन गया है। सायकल मिलने से समय की बचत हो रही है, जिससे वह पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पा रही है। उसकी विद्यालय में उपस्थिति नियमित हुई है और आत्मविश्वास में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मायावती ने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरस्वती सायकल योजना ने न केवल उसकी शिक्षा को सरल बनाया है, बल्कि उसके सपनों को भी नई दिशा दी है। सरस्वती सायकल योजना बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है।

# एमएसएमई योजना के तहत उद्योग एवं बैंकर्स कनेक्ट कार्यक्रम

**धमतरी।** जिला प्रशासन धमतरी एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के सहयोग से रैंप योजना के अंतर्गत आज धमतरी में उद्योग एवं बैंकर्स कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों को बैंकिंग सुविधाओं, ऋ ण योजनाओं एवं शासकीय प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना था। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय उद्यमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा सहित अन्य बैंकों के अधिकारियों ने भाग लेकर विभिन्न वित्तीय योजनाओं, ऋण प्रक्रियाओं एवं सीजीटीएमएसई योजना के लाभों की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर उद्यमियों को बैंक अधिकारियों से सीधे संवाद का अवसर प्राप्त हुआ।

# प्रदेश की पहली गन्ना हार्वेस्टर मशीन से बालोद के किसानों को मिली सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** बालोद जिले के गन्ना उत्पादक किसानों के लिए जिला प्रशासन की अभिनव पहल वरदान साबित हो रही है। जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) के वित्तीय सहयोग से दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना को प्रदेश की पहली अत्याधुनिक गन्ना हार्वेस्टर मशीन उपलब्ध कराई गई है। इससे जिले में गन्ना कटाई की प्रक्रिया तकनीक आधारित और अधिक दक्ष हो गई है।

कारखाना के प्रबंध संचालक आर.पी. राठिया ने बताया कि यह मशीन प्रतिदिन 80 से 100 टन गन्ने की कटाई एवं छिलाई करने में सक्षम है। कटाई, छिलाई एवं लोडिंग की समेकित प्रक्रिया से श्रम लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी तथा किसानों को मजदूरों की उपलब्धता की समस्या से राहत मिलेगी।

मशीन द्वारा कटाई के पश्चात रेटुन (ठूंठ) का पृथक प्रबंधन आवश्यक नहीं होगा तथा गन्ना सीधे इनफील्डर के माध्यम से ट्रैक्टर अथवा ट्रक में लोड हो सकेगा, जिससे परिवहन में भी तेजी आएगी। ग्राम दुधली के कृषक प्रेमशंकर देशमुख ने बताया कि इस पहल से लागत घटेगी और समय की बचत होगी, जिससे गन्ना उत्पादन अधिक लाभकारी बनेगा। यह पहल जिले में कृषि यंत्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

# जल संरक्षण से आत्मनिर्भर किसान, चिड़ौला में शक्तिगत कूप बना ग्रामीण समृद्धि की मिसाल

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** ग्रामीण विकास और जल संरक्षण एक-दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं, जो सतत आजीविका, बेहतर स्वास्थ्य और कृषि उत्पादकता के लिए अनिवार्य हैं। वर्षा जल संचयन, तालाब गहरीकरण, और जल शक्ति अभियान जैसी पहल भू-जल स्तर में सुधार और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए आवश्यक हैं। शक्तिगत कूप के निर्माण ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। ग्रामीण विकास और जल संरक्षण की दिशा में ग्राम पंचायत चिड़ौला से एक सशक्त और प्रेरणादायी सफलता की कहानी सामने आई है।

यहां शक्तिगत कूप निर्माण कार्य जयबहादुर सिंह के लिए स्वीकृत किया गया, जिसके लिए शासन द्वारा 1.80 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराकर खेती-किसानी को सुदृढ़ बनाना तथा जल संरक्षण को बढ़ावा देना रहा। कूप निर्माण से पूर्व संबंधित

हितग्राही सहित आसपास के किसान सिंचाई के लिए पूरी तरह वर्षा पर निर्भर थे, जिससे खेती करना अनिश्चित बना रहता था और उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। लेकिन शक्तिगत कूप के निर्माण के बाद खेतों तक नियमित रूप से पानी पहुंचने लगा है, जिससे फसलों की समय पर सिंचाई संभव हुई। इसका सीधा लाभ कृषि उत्पादन में वृद्धि के रूप में सामने आया है, वहीं किसानों की आय में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। अब किसान समय पर बुवाई कर पा रहे हैं और खेती अधिक लाभकारी एवं सुरक्षित बन गई है। यह कूप केवल एक परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा का केंद्र बन गया है। जल उपलब्धता सुनिश्चित होने से क्षेत्र में दोहरी फसल लेने की संभावनाएं बढ़ी हैं, खेती की लागत में कमी आई है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है। साथ ही भूजल स्तर के संरक्षण और जल के समुचित उपयोग को भी बढ़ावा मिला है, जो दीर्घकालीन विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ग्रामीणों ने शासन की इस जनहितकारी पहल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की योजनाएं गांवों की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने की क्षमता रखती हैं। 1.80 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुआ। यह शक्तिगत कूप निर्माण कार्य ग्राम पंचायत चिड़ौला में जल संरक्षण की दिशा में एक मजबूत कदम होने के साथ-साथ किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सफल, प्रेरक और अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

## खास खबर

### प्लेस ऑफ सेफ्टी से 15 अपचारी बालक फरार 5 पकड़े गए

**अंबिकापुर।** शहर के गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित बिशुनपुर प्लेस ऑफ सेफ्टी से बुधवार रात 15 अपचारी बालक फरार हो गए। फरार होने से पहले किशोरों ने ड्यूटी पर तैनात एक गार्ड पर हमला किया और परिसर की दीवार लांघकर बाहर निकल गए। घटना की सूचना मिलते ही गांधी नगर पुलिस ने देर रात सर्च ऑपरेशन शुरू किया। अब तक पांच बालकों को पकड़ लिया गया है, जबकि शेष 10 की तलाश जारी है। घटना के बाद पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। तीन बालकों को पुलिस ने पकड़ा, जबकि दो स्वयं वापस लौट आए। फरार किशोर कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर और सरगुजा जिलों के बताए जा रहे हैं।

### ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मारी, रिटायर्ड कर्मी की मौत

**कोरबा।** फोरलेन पर देर शाम अंधेरे में तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से रिटायर्ड एसईसीएल कर्मी की मौत हो गई। सर्वमंगला चौक से कुसमुंडा जाने वाले फोरलेन मार्ग पर खम्हरिया मोड़ के पास देर शाम 7 बजे हादसा हुआ। बाइक सीजी-12-एआर-5587 को तेज रफ्तार ट्रेलर सीजी-12-बीबी-8170 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दिया। बाइक में विकास नगर कॉलोनी निवासी रिटायर्ड एसईसीएल कर्मी अरुण कुमार (63) सवार थे, जिनके सिर पर गंभीर चोट लगी और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर कुसमुंडा थाना प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पांडेय स्टाफ समेत मौके पर पहुंचे। भीड़ को नियंत्रित करते हुए आरोपी चालक को हिरासत में लेकर थाना ले जाया गया। वहीं उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

### नौकरी दिलाने के नाम पर चार लाख की ठगी

**जशपुरनगर।** कोतवाली पुलिस ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रदीप पंडा ने दो युवकों के परिजनों से 4 लाख 35 हजार रुपए की ठगी की है। रायगढ़ निवासी प्रदीप पंडा ने इचकेला निवासी रोहित खाखा की मां को झांसे में लिया। उसने खुद को कलेक्ट्रेट का बड़ा अधिकारी बताया और दावा किया कि वह रोहित की सुरक्षा गार्ड के पद पर सीधी भर्ती करवा सकता है। उसने रोहित खाखा की मां से पहली किश्त के तौर पर 50 हजार रुपए लिए। इसके बाद ज्वॉइनिंग लेटर का लालच देकर 1.50 लाख रुपए की और मांग रखी। रकम जुटाने मां ने गांव की जमीन गिरवी रखकर उसे रकम दी। ऑफिस का सामान और कंप्यूटर जब्त: निरीक्षक मोरध्वज देशमुख के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जाल बिछाया और जशपुर के होटल से आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा। ठगी की रकम से उसने उधारी चुकाई है और भट्टी रोड पर ऑफिस खोलने के लिए टेबल-कुर्सी और कंप्यूटर खरीदे हैं। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 318 (4) जालसाजी और ठगी के तहत मामला दर्ज किया है।

# सिगड़ी जलाकर बंद कमरे में सो रहे थे दम घुटने से पति-पत्नी व बेटी की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**अंबिकापुर। सूरजपुर जिले में कड़ाके की ठंड से बचने के लिए कमरे में रखी जलती हुई सिगड़ी एक ही परिवार के तीन सदस्यों के लिए जानलेवा साबित हुई। श्रीनगर क्षेत्र के चंद्रपुर गांव में कोयले के धुएं से दम घुटने के कारण पति, पत्नी और उनकी 4 वर्षीय बेटी की सोते समय ही मौत हो गई।**

चंद्रपुर निवासी कंवल सिंह ने मंगलवार रात अपने परिवार के साथ भोजन किया। ठंड अधिक होने के कारण कंवल सिंह, उनकी पत्नी कुंती (25 वर्ष) और उनकी सबसे छोटी 4 वर्षीय बेटी पास ही बने प्रधानमंत्री आवास योजना के कमरे में सोने चले गए। सुबह जल्दी खाना बनाने की सुविधा और कमरे को गर्म रखने के उद्देश्य से कुंती जलती हुई सिगड़ी को अपने साथ कमरे के भीतर ले गई।

कमरे में खिड़की या रोशनदान नहीं था, इसलिए रात भर में कमरे के भीतर कोयले की जहरीली गैस (कार्बन मोनोऑक्साइड) भर गई, जिससे तीनों का दम घुट गया। घटना का खुलासा तब हुआ जब सुबह कंवल सिंह की 5 वर्षीय बड़ी बेटी अपनी मां को बुलाने पहुंची। दरवाजा अंदर से बंद था और काफी आवाज देने के बाद भी कोई हलचल नहीं हुई।

अनहोनी की आशंका होने पर कंवल के बड़े भाई ने सब्बल से दीवार में छेद किया और टॉर्च जलाकर देखा। अंदर देखा तो पता चला कि तीनों एक ही स्थान पर अचेत अवस्था में मृत पड़े थे। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा।

### गंधहीन गैस होने से पता नहीं चलता

कोयला जलने से कई प्रकार की गैस निकलती हैं, लेकिन इनमें सबसे खतरनाक कार्बन मोनोऑक्साइड गैस होती है। इसका कारण यह है कि यह गैस न तो महकती है और न ही इसका धुआं दिखाई देता है, क्योंकि यह रंगहीन होती है। इस गैस के प्रभाव से शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने लगती है।

यदि कार्बन मोनोऑक्साइड सांस के जरिए अधिक मात्रा में शरीर में प्रवेश कर जाए, तो यह जानलेवा साबित हो सकती है। इसके अलावा कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा भी बढ़ जाती है, लेकिन सबसे बड़ा खतरा कार्बन मोनो-ऑक्साइड से ही होता है। यह गैस रक्त में मौजूद हीमोग्लोबिन से जुड़कर ऑक्सीजन की जगह ले लेती है। परिणामस्वरूप शरीर के अंगों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती, जिससे व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है।

### पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे

प्रारंभिक जांच और घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए यह साफ है कि मौत दम घुटने के कारण हुई है। कमरा अंदर से बंद था और कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

# बोर्ड परीक्षा से 2 घंटे पहले छत से गिरी छात्रा, हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायगढ़।** रायगढ़ मेडिकल कॉलेज कैंपस के स्टाफ क्वार्टर में बुधवार सुबह सीबीएसई बोर्ड परीक्षा देने जाने से दो घंटे पहले 12वीं की छात्रा छत से गिर गई। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।



पुलिस के अनुसार अनन्या सर्वे (16) संस्कार स्कूल की छात्रा थी। उसका परीक्षा केंद्र डीपीएस स्कूल था। बुधवार को उसकी पहली परीक्षा थी। अनन्या के पिता राजेश सर्वे रायगढ़ मेडिकल कॉलेज के डीन कार्यालय में वर्ग-2 क्लर्क हैं। परिवार पिछले 10 साल से कॉलेज परिसर के स्टाफ क्वार्टर में रह रहा है।

परिजनों के अनुसार अनन्या मंगलवार रात करीब 2 बजे तक परीक्षा की तैयारी करती रही। सुबह बस तक छोड़ने के लिए भी कहा था। सुबह करीब 6 बजे वह छत पर टहल रही थी, इस दौरान नीचे गिर गई। वहां नीचे खेल रहे बच्चों ने परिजनों को सूचना दी। उसे गंभीर हालत में एम्बुलेंस से मेकाहारा अस्पताल ले जाया गया। करीब 7:45 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर चक्रधर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

स्थानीयों ने बताया-7 साल पहले हुई है ऐसी ही घटना स्टाफ क्वार्टर में छत से गिरकर हुई मौत की यह दूसरी घटना है। स्थानीय महिलाओं ने बताया कि करीब सात साल पहले भी इसी बिल्डिंग में रहने वाली महिला की छत से गिरकर मौत हो चुकी है। महिला का बेटा भी मेडिकल कॉलेज में क्लर्क था, इसलिए यहां रह रहा था।

# तेज रफ्तार वाहन ने तोड़ा बिजली का खंभा सप्लाई ठप होने से ग्रामीणों में नाराजगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** कोरबा जिले के दादर ढेलवाड़ीह गांव में बुधवार रात राखड़ परिवहन में लगे तेज रफ्तार वाहन ने बिजली लाइन केबल को तोड़ दिया, जिससे पूरे गांव बिजली की सप्लाई ठप हो गई। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। राखड़ डंप करने के बाद वाहन चालक डाला उठाकर तेज रफ्तार में भाग रहा था। इसी दौरान वाहन ने विद्युत तार को अपनी चपेट में ले लिया और खंभे को क्षतिग्रस्त कर दिया।

घटना के बाद से गुरुवार सुबह तक गांव में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई थी, जिससे ग्रामीण रात भर अंधेरे में रहने को मजबूर रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले कई महीनों से इस मार्ग पर राखड़ से भरे वाहनों का परिवहन हो रहा है।

ऐसे में उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नियमों की अनदेखी करते हुए खुलेआम राखड़ डंप किया जा रहा है, जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। तेज रफ्तार वाहनों से जान का खतरा भी बना रहता है। यह पहली घटना नहीं है। कुछ महीने पहले भी राखड़ डंप में लगे एक वाहन ने गांव के लगभग 21 बिजली खंभों को तोड़ दिया था, जिससे विद्युत विभाग को काफी नुकसान हुआ था। ग्रामीणों का कहना है कि तब भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी, जिसके कारण अब दोबारा ऐसी स्थिति बनने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई है।

बिजली लाइन टूटने से गांव में न सिर्फ घरों की रोशनी गुल हुई, बल्कि पेयजल आपूर्ति और छोटे व्यवसाय भी प्रभावित हुए। मानिकपुर चौकी पुलिस ने इस मामले में वाहन जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

# जादू-टोने से पैसा दोगुना करने का झांसा, बाप-बेटे ने ठगे 5 लाख

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बलौदाबाजार।** जिले के पलारी थाना क्षेत्र में जादू-मंत्र से पैसे कई गुना करने का झांसा देकर ठगी करने वाले पिता-पुत्र को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने दो अलग-अलग गांवों के लोगों से करीब 5 लाख रुपए की ठगी की थी। पकड़े गए आरोपी रायपुर के खरोरा इलाके के रहने वाले हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीनदयाल जांगड़े (66) और उसके बेटे पुरुषोत्तम जांगड़े (35) के रूप में हुई है। दोनों रायपुर के खरोरा के ग्राम धौराभाठा निवासी हैं। 18 फरवरी को दोनों को न्यायालय में पेश किया गया।



पहला मामला ग्राम बलौदी निवासी नोहर यादव का है। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई कि साल 2022 में आरोपी दीनदयाल जांगड़े और उनके बेटे पुरुषोत्तम जांगड़े उनके घर आए। आरोपियों ने उन्हें जादू-मंत्र से पैसा कई गुना करने का प्रलोभन दिया। नोहर यादव ने 18 अक्टूबर 2022 को आरोपियों को तीन लाख रुपए कैश दे दिए, लेकिन उन्हें न तो पैसा दोगुना मिला और न ही मूल रकम वापस लौटाई गई।

### पैसे नहीं मिले तो की शिकायत

दोनों मामलों में लंबे समय तक पीड़ित आरोपियों के चक्कर लगाते रहे, लेकिन जब नहीं सुने तो उन्होंने पुलिस का रुख किया। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पहले प्रकरण में धारा 420, 34 के तहत अपराध दर्ज किया गया, जबकि दूसरे मामले में धमकी देने की धारा 506 भी जोड़ी गई।

### खरोरा से पकड़ाए आरोपी

पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देश पर पलारी पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। टीम ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों को खरोरा थाना क्षेत्र के ग्राम धौराभाठा से हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने दोनों पीड़ितों से ठगी करने की बात स्वीकार कर ली।

पुलिस ने उनके कब्जे से एक मोबाइल फोन और पांच हजार रुपए नगद जब्त किए हैं। एसपी भावना गुप्ता ने आम जनता से अपील की है कि जादू-टोने या पैसा दोगुना करने जैसे झांसे में न आएं और इस तरह की किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

# शादी का झांसा देकर रेप : कोर्ट ने आरोपी को सुनाई 10 साल की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** दुर्ग जिले की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने विवाह का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने के मामले में आरोपी को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि झूठे वादे पर मिली सहमति को स्वतंत्र सहमति नहीं माना जा सकता, इसलिए यह बलात्कार की श्रेणी में आता है।

आरोपी सेवक राम मिर्झा (31), निवासी सेजा, थाना खरोरा, जिला रायपुर को भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(एन) के तहत दोषी ठहराया गया। अभियोजन के अनुसार जून 2022 में पीड़िता की पहचान आरोपी से फेसबुक के माध्यम से हुई थी। आरोपी ने शादी की इच्छा जताई और बातचीत शुरू कर पीड़िता को विवाह का भरोसा दिलाया।

23 जुलाई 2022 को रायपुर के एक

मॉल में दोनों की पहली मुलाकात हुई। आरोपी ने पीड़िता को भरोसा दिलाया कि परिवार की सहमति हो या न हो, वह उससे शादी करेगा।

पीड़िता ने अदालत में बताया कि 2022 से 2023 के बीच आरोपी ने कई बार शादी का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। नवंबर 2023 में रायपुर के एक कमरे में फिर संबंध बनाए गए, जबकि उसी समय आरोपी किसी दूसरी लड़की से सगाई की तैयारी कर रहा था।

### सगाई की जानकारी मिलने पर हुआ विवाद

4 फरवरी 2024 को पीड़िता को पता चला कि आरोपी की किसी दूसरी लड़की से सगाई हो रही है। विरोध करने पर आरोपी ने पहले इंकार किया, फिर बहाने बनाने लगा। 20 फरवरी 2024 को आरोपी चार लोगों के साथ पीड़िता के घर पहुंचा और रिश्ता खत्म करने की बात कही। 29 फरवरी 2024 को रायपुर के पंडरी स्थित एक रेस्टोरेंट में दोनों परिवारों की बैठक हुई। वहां आरोपी ने शादी के लिए सहमति जताई। लेकिन 6 मार्च 2024 को आरोपी ने दूसरी युवती से विवाह कर लिया।

विचारण के दौरान आरोपी ने शारीरिक संबंध बनाने से ही इनकार कर दिया। आरोपी ने कहा कि उसने न तो विवाह का प्रस्ताव दिया और न ही पीड़िता से संबंध बनाए। हालांकि व्हाट्सएप चैट, पेनड्राइव साक्ष्य और गवाहों के बयान से आरोपी का दावा झूठा साबित हुआ। कोर्ट ने माना कि आरोपी ने न्यायालय को भ्रमित करने की कोशिश की। फैसले में अदालत ने कहा, बलात्कार के मामलों में यदि पीड़िता का साक्ष्य विश्वसनीय और तार्किक है, तो अकेला साक्ष्य भी दोषसिद्धि के लिए पर्याप्त है। कोर्ट ने यह भी माना कि पीड़िता की एफआईआर, मजिस्ट्रेट के सामने बयान और अदालत में दिया गया बयान एक जैसा है। पीड़िता की सहमति स्वतंत्र नहीं थी। सहमति विवाह के झूठे वादे के भ्रम में दी गई थी, इसलिए यह वैध नहीं मानी जा सकती।

### धारा 376(2)(एन) के तहत दोषसिद्धि

कोर्ट ने माना कि 2022 से 2023 तक कई बार संबंध बनाए गए, जो धारा 376(2)(एन) के तहत एक ही महिला के साथ बार-बार बलात्कार की श्रेणी में आता है। दोष सिद्ध होने के बाद अदालत ने आरोपी को 10 वर्ष सश्रम कारावास और 5,000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। जुर्माना नहीं देने पर आरोपी को एक माह अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। हिरासत में बिताई गई अवधि सजा में समायोजित होगी। अदालत ने सजा वारंट जारी कर आरोपी को केंद्रीय जेल दुर्ग भेजने का आदेश दिया।

### धोखाधड़ी: दो साल से फरार दो महिला आरोपी गिरफ्तार

**राजनांदगांव।** राजनांदगांव जमीन मालिक बनकर फर्जी ढंग से दूसरे के जमीन की रजिस्ट्री - विक्रय कराने वाली दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज होने के बाद से दोनों आरोपी दो साल से फरार थी। जिन्हें गिरफ्तार कर बसंतपुर पुलिस ने जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी एमन साहू ने बताया कि कूटरचित दस्तावेज के माध्यम से पावर ऑफ अटॉर्नी बनाकर प्रार्थी की जमीन की बिक्री की गई थी। पूर्व में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था, लेकिन फर्जीवाड़ा में शामिल रही दो महिला फरार थी।

### कोरबा में वेल्डिंग चिंगारी से दुकान में लगी आग

**कोरबा।** कोरबा के दर्री थाना क्षेत्र के प्रेमनगर में दुबे बेल्ट एंड गारमेंट्स की दुकान में भीषण आग लग गई। यह आग बुधवार दोपहर को बगल की वेल्डिंग दुकान से निकली चिंगारी के कारण लगी। आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान का सारा सामान जलकर खाक हो गया। दमकल के पहुंचने से पहले ही लाखों का सामान जल गया। घटना के समय दुकान संचालक आर. दुबे दुकान बंद कर किसी काम से बाहर गए हुए थे। उन्हें फोन पर आग लगने की सूचना मिली और वे तुरंत मौके पर पहुंचे। हालांकि, तब तक दुकान में रखा अधिकांश सामान जल चुका था। इस घटना से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है और उनकी आजीविका पर संकट आ गया है।

दुकान संचालक आर. दुबे के अनुसार, दुकान में बेल्ट, चश्मा, रुमाल, गर्म कपड़े, गमछे और विभिन्न प्रकार के कपड़े रखे हुए थे। उन्होंने बताया कि इस आगजनी में उन्हें लगभग एक लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

सीएसईबी की दमकल टीम को सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने बताया कि उनके पहुंचने से पहले ही काफी सामान जल चुका था, फिर भी उन्होंने आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों ने गर्मी के मौसम को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि अक्सर शॉर्ट सर्किट और कचरे में आग लगने से ऐसी घटनाएं होती हैं, इसलिए सावधानी बरतना आवश्यक है।

# खनिज विभाग के नाक के नीचे शिवनाथ नदी में हो रहा था रेत का अवैध उत्खनन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** जिला प्रशासन की टीम ने मंगलवार रात अवैध खनन पर कार्रवाई की है। तहसीलदार धमधा की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेत से भरे दो हाईवा, एक चेन माउंटेन मशीन जब्त की है। इसके बाद टीम ने जब्त समान को नंदिनी थाने को सौंप दिया है। वहीं पटवारी को निर्देश दिया गया है कि जांच रिपोर्ट बनाकर अधिकारी को सौंपेगे। इससे अवैध खनन करने वाले से पैनल्टी वसूल की जा सके।

अवैध खनन पिछले कई दिनों से चल रहा था, लेकिन इस बात की जानकारी खनिज विभाग को नहीं थी। अवैध खनन की सूचना सीधे कलेक्टर अभिजीत सिंह कोो



मली। फिर कलेक्टर ने तहसीलदार राधे वर्मा को कार्रवाई के लिए भेजा दिया।

शिवनाथ नदी में ग्राम मेड़ेसरा के बांस घाट पर अवैध खनन की सूचना मिली थी। तहसीलदार ने बताया कि कोई देवांगन बीते कई दिनों से अवैध खनन कर रहा था। ग्रामीणों से पूछताछ में पता चला है खनन माफिया ने नदी में खनन करने के लिए एनजीटी के नियमों को दरकिनार करके रैक बनाया था। नदी का पानी रोककर रैक बनाकर चेन माउंटेन से अवैध खनन कर हाईवा से रेत को मार्केट तक पहुंचा रहा था। कलेक्टर ने पूरे मामले की जांच रिपोर्ट मांगी है, ताकि मिली भगत में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

इसी तरह कलेक्टर ने रानीतराई के समीप अवैध उत्खनन में जेसीबी, एक ट्रैक्टर और चार हाईवा जब्त किया था। कलेक्टर ने एसडीएम उत्तम ध्रुव को भेजकर कार्रवाई करवाई थी। राजस्व विभाग क्षेत्र में अवैध ईंट भट्ठों के संचालकों को भी बगैर अनुमति के ईंट भट्ठे लगाकर पर्यावरण प्रदूषित करने के लिए नोटिस जारी किया था। वहीं कुटेलाभाठा इलाके से भी अवैध उत्खनन करते हुए एक चेन माउंटेन जब्त किया गया था।

# गौठान के पास मिला बुजुर्ग का शव, करंट से मौत की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** कोरबा जिले के करतला थाना क्षेत्र के ग्राम बांधापाली में बुधवार सुबह गौठान के पास एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बांधापाली निवासी बहादुर सिंह अगरिया (50) के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि शव के चेहरे पर जलने के निशान थे और एक पैर टूटा हुआ प्रतीत हो रहा था, जिससे घटना संदिग्ध लग रही थी। सूचना मिलते ही करतला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने भी घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए।

प्रारंभिक जांच में फॉरेंसिक टीम ने आशंका जताई है कि बहादुर सिंह की मौत करंट लगने से हुई हो सकती है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि गौठान के पास विद्युत तार कब, किसने और किन परिस्थितियों में बिछाया था। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या यह तार अवैध रूप से बिछाया गया था।

मृतक बहादुर सिंह अगरिया खेती-किसानी का काम करता था। उसके परिवार में पत्नी और बच्चे सहित अन्य सदस्य हैं। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और यह जानने के लिए गहन जांच में जुट गई है कि आखिर बहादुर सिंह की मौत कब, कैसे और किन परिस्थितियों में हुई।

### वेलेंटाइन डे पर प्रेमिका व सहेली से दुष्कर्म, गिरफ्तार

**रायगढ़।** लैलूंगा थाना क्षेत्र में युवक ने प्रेमिका को मिलने के लिए बुलाया। प्रेमिका सहेली के साथ पहुंची। युवक ने दोनों को दुष्कर्म का शिकार बनाया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस के अनुसार जशपुर की 17 साल की किशोरी का दिसंबर 2025 में ओमप्रकाश उर्फ प्रकाश उर्फ राहुल पैकरा (22) निवासी ग्राम किलकिला लैलूंगा से मोबाइल के जरिए परिचय हुआ। उसने प्रेमजाल में फंसाकर शादी करने का वादा किया। 14 फरवरी के दिन युवक ने उसे लैलूंगा मिलने बुलाया। किशोरी अपनी सहेली के साथ पत्थलगांव होकर बस से लैलूंगा पहुंची। आरोपी राहुल अपने दोस्त जयकिशन के साथ उन्हें ग्राम सोनाजोरी गए। आरोपी ने पहले प्रेमिका फिर सहेली के साथ भी जबरदस्ती दुष्कर्म किया।

## खास खबर

### मुख्यमंत्री साय ने स्व. कुसुम सिन्हा को दी श्रद्धांजलि

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की पूज्य माता स्वर्गीय श्रीमती कुसुम सिन्हा को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री साय ने बिलासपुर के बोदरी स्थित मुख्य न्यायाधीश निवास में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर श्रीमती सिन्हा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किए और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि माता जी का स्नेह, संस्कार और त्याग जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। श्रीमती कुसुम सिन्हा का सरल, स्नेहमयी और अनुपम स्वभाव स्मरणीय रहेगा।

### राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 22 को

**कोरबा।** छग लोक सेवा आयोग रायपुर द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 का आयोजन 22 फरवरी को प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक एवं दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक दो पाली में किया गया है। इस परीक्षा में जिले में 3904 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिनके लिए 11 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण हेतु 4 उड़न दस्ता दल गठित किया गया है। कार्यपालिक दण्डाधिकारी की ड्यूटी परीक्षा केंद्रों में लगाई गई है।

### भारत में होगी पहली बार डिजिटल-जाति जनगणना

**रायपुर।** देश में पहली बार डिजिटल जनगणना हो रही है, जिसमें जाति का भी आंकड़ा लिया जाएगा। छत्तीसगढ़ में मार्च महीने से मकान का सूचीकरण तथा अन्य कार्य शुरू किए जाएंगे। रजिस्टार जनरल भारत मृत्युंजय कुमार ने ऑनलाइन जनगणना की तैयारियों को लेकर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पहली डिजिटल जनगणना में जातिगत आंकड़ा भी लिया जाएगा।

# किसान की बेटी सुप्रिया ने स्वाध्याय से क्रैक किया सीडीएस; मुख्यमंत्री ने मिठाई खिलाकर दी बधाई, बताया प्रेरणास्पद

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सीडीएस परीक्षा में ऑल इंडिया चौथा रैंक प्राप्त करने वाली मुंगेली की सुश्री सुप्रिया को सम्मानित किया। उन्होंने सुप्रिया और उनके परिजनों को पुष्पगुच्छ भेंटकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी और मुँह मीठा कराया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुप्रिया की सफलता यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास ईमानदार हों, तो साधारण पृष्ठभूमि से आने वाला युवा भी असाधारण उपलब्धि हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रिया का अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण राज्य के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। राज्य के

युवाओं को सुप्रिया से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य पाने की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए।

जिले के ग्राम टेढ़ाधौंरा की 23 वर्षीय सुप्रिया ठाकुर ने सीडीएस परीक्षा में ऑल इंडिया चौथी रैंक प्राप्त कर मुंगेली जिला सहित राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

अपनी प्रतिभा, अनुशासन और देशसेवा के अटूट संकल्प के बल पर वे भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित हुई हैं। ग्राम टेढ़ाधौंरा निवासी सुप्रिया सिंह श्रीनेत एक किसान परिवार से आती हैं।

उनकी माता संतोषी सिंह श्रीनेत और पिता वैदेही शरण सिंह, जो पेशे से किसान हैं, ने सदैव उन्हें शिक्षा और संस्कारों का मजबूत आधार दिया।

# खेल मड़ई से स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण संभव - महिला एवं बाल विकास मंत्री

## स्व. कुलदीप निगम स्मृति इंटरप्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट के महिला पत्रकार फाइनल में शक्ति टीम विजेता, तेजस्वी टीम उपविजेता

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** प्रेस क्लब द्वारा आयोजित खेल मड़ई के अंतर्गत स्व. कुलदीप निगम स्मृति इंटरप्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट में महिला पत्रकारों का फाइनल मुकाबला सुभाष स्टेडियम में खेला गया। शक्ति टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि तेजस्वी टीम उपविजेता रही। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विजेता शक्ति टीम और उपविजेता तेजस्वी टीम को बधाई देते हुए दोनों टीमों के लिए 21-21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि की घोषणा की।

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण की आधारशिला हैं। पत्रकारों की व्यस्त दिनचर्या के बीच महिला पत्रकारों की सक्रिय भागीदारी प्रेरणादायक है। ऐसे आयोजन कार्यक्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा, आपसी समन्वय और टीम भावना को सुदृढ़ करते हैं।

कार्यक्रम में बाल संरक्षण आयोग रायपुर की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, पार्षद अंजुम ढेबर सहित वरिष्ठ पत्रकार मंजूषा शर्मा, शशि परगनिया, आफताब बेगम, शताब्दी पाण्डे एवं ज्योति सिंह

ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार स्व. वीरेंद्र दीपक की स्मृति में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की गई। स्व. वीरेंद्र दीपक के परिजन, डॉ. श्वेता शर्मा (पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, गरियाबंद), उषा शर्मा तथा स्वर्गीय वीरेंद्र दीपक महाविद्यालय की डायरेक्टर भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

मंच संचालन वरिष्ठ पत्रकार एवं उद्बोधक आकांक्षा दुबे ने किया। आयोजन समिति के संयोजक विजय मिश्रा के नेतृत्व में संपन्न इस प्रतियोगिता में प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े सहित बड़ी संख्या में पत्रकारगण उपस्थित रहे।

खेल मड़ई के इस आयोजन ने महिला पत्रकारों की खेल प्रतिभा, आत्मविश्वास और एकजुटता को नई पहचान दी तथा पत्रकार जगत में स्वास्थ्य एवं सौहार्द का सकारात्मक संदेश प्रसारित किया।

## सौजन्य भेंट

### कुर्मी क्षत्रिय समाज का 80वां महा-अधिवेशन 21 से

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। समाज के पदाधिकारियों ने 21 व 22 फरवरी 2026 को बलौदाबाजार -भाटापारा जिले के ग्राम चाँपा (सैंहा)में आयोजित हो रहे 80वां छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज महा-अधिवेशन के लिए निमंत्रण दिया।

### राज्यपाल को उपभोक्ता संरक्षण क्षेत्रीय कार्यशाला का न्यौता

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका से छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया ने सौजन्य भेंट की। श्री चौरड़िया ने 21 एवं 22 फरवरी 2026 को रायपुर में उपभोक्ता संरक्षण पर आयोजित हो रहे दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला हेतु बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल को आमंत्रित भी किया।

### मुख्यमंत्री साय को आईएमए सीजीकॉन का न्यौता

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से इंडियन मेडिकल एसोसिएशन छत्तीसगढ़ स्टेट के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। 7 व 8 मार्च 2026 श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में आयोजित 21 वें स्टेट कॉन्फ्रेंस आईएमए सीजीकॉन 2026 का न्यौता दिया। राज्य शाखा अध्यक्ष एवं चेयरमेन डॉ अनूप वर्मा, अध्यक्ष हॉस्पिटल बोर्ड डॉ सुरेंद्र शुक्ला, आईएमए सचिव डॉ संजीव श्रीवास्तव, डॉ गंभीर सिंह उपस्थित थे।

# कोल विद्रोह के महानायक वीर बुधु भगत की 234 वीं जयंती समारोह में शामिल हुए पर्यटन मंत्री अग्रवाल

## जनजातीय अस्मिता और स्वाभिमान को सशक्त करने का किया आह्वान

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने जशपुर जिले के डांडटोली में कोल विद्रोह के महानायक, अमर शहीद वीर बुधु भगत की 234 वीं जयंती पर आयोजित समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उरांव समाज के लिए निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया तथा उपस्थित जनसमूह को शुभकामनाएं प्रदान कीं।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि अमर शहीद वीर बुधु भगत ने जनजातीय अस्मिता, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनका जीवन संघर्ष, साहस और संगठन शक्ति का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन

जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास के संरक्षण तथा नई पीढ़ी तक उसके प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि अमर शहीद वीर बुधु भगत का बलिदान हमें अन्याय और शोषण के विरुद्ध दृढ़तापूर्वक खड़े रहने की प्रेरणा देता है। उनका संघर्ष केवल इतिहास की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शन है।

वीर बुधु भगत की जयंती प्रतिवर्ष 17 फरवरी को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जाती है। वर्ष 2026 में उनकी 234वीं जयंती मनाई गई। वे उरांव समुदाय से थे और 19वीं शताब्दी के प्रारंभिक काल में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष करने वाले प्रमुख जनजातीय क्रांतिकारी थे। उन्होंने 1831-32 के कोल विद्रोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों, अत्यधिक कर वसूली और स्थानीय शोषण के विरुद्ध जनजागरण किया।

उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज संगठित हुआ और विदेशी शासन को चुनौती दी। अंग्रेजी शासन ने उनके बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उन्हें पकड़ने के लिए सैन्य अभियान चलाया। संघर्ष के दौरान 13 फरवरी 1832 को वे वीरगति को प्राप्त हुए। उनका बलिदान जनजातीय अस्मिता और स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अमिट है।

समारोह में जनप्रतिनिधियों, समाज के वरिष्ठजनों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही। सभी ने अमर शहीद वीर बुधु भगत को नमन किया।

# सरायपाली की शिशुपाल पहाड़ी : ट्रैकिंग, जलप्रपात और ऐतिहासिक विरासत के संगम से युवाओं में बढ़ी लोकप्रियता

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** यदि आप प्रकृति, पहाड़ और एडवेंचर के शौकीन हैं, तो महासमुंद जिले के सरायपाली में स्थित शिशुपाल पर्वत आपके लिए एक शानदार पर्यटन स्थल हो सकता है। शिशुपाल पर्वत ट्रैकिंग और एडवेंचर के शौकीनों के बीच एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। यह स्थान अपनी अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। रायपुर से 157 किमी और सरायपाली से लगभग 20 किमी की दूरी पर स्थित यह पर्वत पर्यटकों को प्रकृति के करीब जाने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है।

शिशुपाल पर्वत समुद्र तल से 900 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए रोमांचक ट्रैकिंग मार्ग है, जो साहसिक

पर्वत के ऊपर एक विशाल मैदान है, जहां से वर्षा ऋतु के दौरान पानी 1100 फीट नीचे गिरता है और भव्य जलप्रपात का निर्माण करता है। यह दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहां की हरियाली और शांत वातावरण एक

### ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व

शिशुपाल पर्वत (बड़ा डोंगर) का नाम स्थानीय लोककथाओं से जुड़ा हुआ है। किंवदंती है कि इस पहाड़ पर कभी राजा शिशुपाल का महल हुआ करता था। यहां का गौरवशाली इतिहास रहा है। पर्वत पर ही जर्जर दुर्ग, प्राचीन मंदिर और तालाब के अवशेष आज भी अतीत की गाथा सुनाते हैं। जिनके अनुसार जब अंग्रेजों ने राजा को घेर लिया, तो उन्होंने वीरता का प्रदर्शन करते हुए अपने घोड़े के साथ पहाड़ी से छलांग लगा दी। इस घटना के कारण इस पर्वत का नाम शिशुपाल पर्वत और यहां स्थित झरने का नाम भी उन्हीं के नाम पर पड़ा। यह जलप्रपात अत्यधिक ऊंचाई से गिरने के कारण अद्भुत सौंदर्य का अनुपम उदाहरण है।

गतिविधियों के प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। ट्रैकिंग मार्ग में जंगल, चट्टानें और प्राकृतिक पगडंडियां शामिल हैं। मनमोहक दृश्य का निर्माण करते हैं। पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की पहल की गई है। यहां पहुंचने वाले सैलानियों के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माण किया गया।

शिशुपाल पर्वत की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल बनाते हैं। यहां का वातावरण, हरियाली और झरने पर्यटकों को मानसिक शांति और सुकून का अनुभव कराते हैं। यह स्थान फोटोग्राफी और प्रकृति के अद्भुत दृश्यों के लिए भी प्रसिद्ध है।

शिशुपाल पर्वत न केवल रोमांचक ट्रैकिंग स्थल है, बल्कि इतिहास और प्रकृति का अद्भुत संगम भी है। यहां ट्रैकिंग, फोटोग्राफी और प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। अपने ऐतिहासिक महत्व और प्राकृतिक आकर्षण के कारण शिशुपाल पर्वत आज के दौर में पर्यटन का नया केंद्र बनता जा रहा है।

### पर्यटन की संभावनाएं

इस क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किए जाने की पहल शासन द्वारा की जा रही है। वहीं आसपास के क्षेत्रों में बांस से बनी हस्तशिल्प वस्तुएं भी पाई जाती हैं, जो स्थानीय लोगों की आय का प्रमुख जरिया बन सकती हैं। इसे एक पर्यटन परिपथ के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। यहां से चंद्रहासिनी देवी मंदिर, गोर्मदा अभ्यारण्य, सिंघोड़ा मंदिर, देवदरहा जलप्रपात एवं नरसिंहनाथ जैसे पर्यटन स्थलों को जोड़ा जा सकता है।

### रोजगार के अवसर

शिशुपाल पर्वत पर हर वर्ष मकर संक्रांति और महाशिवरात्रि के अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा के लिए आते हैं। इस दौरान मंदिर के आसपास भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ मेले की चहल-पहल का आनंद लोग उठाते हैं। धार्मिक आस्था, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अद्भुत अनुभव इसे एक संपूर्ण पर्यटन स्थल बनाता है। यह मेला न केवल स्थानीय लोगों के लिए, बल्कि दूर-दराज से आने वाले पर्यटकों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र है। यहां रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

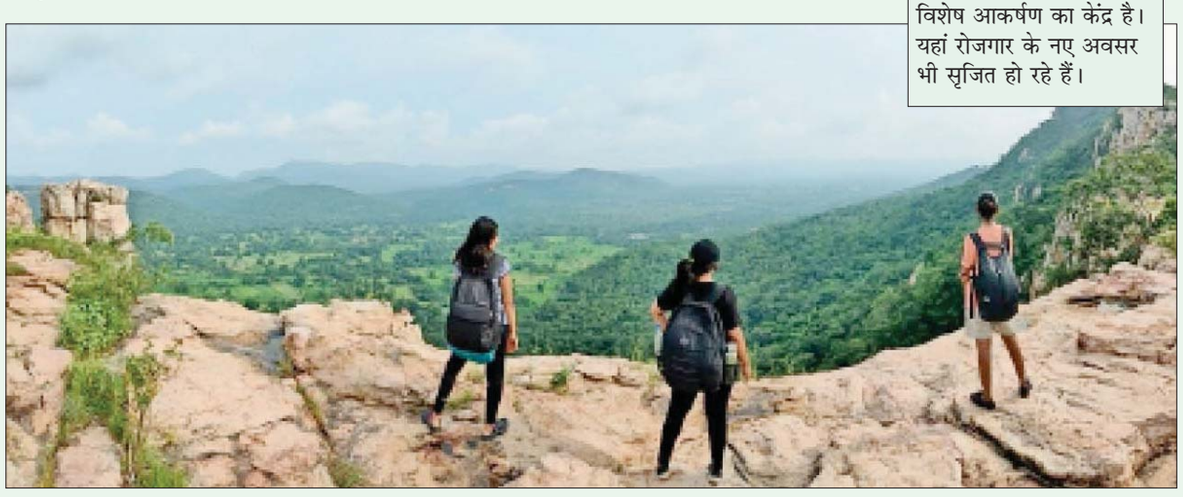

# होली की में कुदरती रंग घोलेंगी बस्तर की बिहान दीदियां, 9 स्वसहायता समूह बन रहीं हर्बल गुलाल

श्रीकंचनपथ समाचार

**जगदलपुर।** बस्तर जिले में इस बार होली का त्यौहार न केवल रंगों भरा होगा, बल्कि सेहत और पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित रहेगा। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है।

इसके अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों के 9 स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को हर्बल गुलाल बनाने का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। क्रांतिकारी डेबरीधूर उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर में आयोजित इस दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में महिलाएं आधुनिक और वैज्ञानिक तरीकों से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर गुलाल तैयार करना सीख रही हैं।

इस अनूठी पहल की सबसे खास बात यह है कि महिलाएं अपनी रसोई और बाड़ी में मिलने वाली प्राकृतिक वस्तुओं जैसे पालक, लाल भाजी, चुकंदर और फूलों का उपयोग कर सतरंगी गुलाल तैयार करेंगी। बाजार में मिलने वाले सिंथेटिक रंगों और गुलाल में अक्सर हानिकारक रसायनों का मिश्रण होता है, जो त्वचा में जलन, एलर्जी और आंखों को नुकसान पहुँचाते हैं। इन समस्याओं को देखते हुए बिहान की दीदियां कॉर्न फ्लावर के आधार (बेस) में चुकंदर और भाजी के अर्क को मिलाकर पूरी तरह चर्म-रोग मुक्त और इको-फ्रेंडली गुलाल का उत्पादन करेंगी।

प्रशिक्षण के उपरांत महिलाओं ने इस वर्ष 500 किलो से लेकर एक हजार किलो तक हर्बल गुलाल तैयार करने का लक्ष्य रखा है। उत्पादित गुलाल की पहुंच जन-जन तक बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसके तहत जगदलपुर शहर के प्रमुख स्थानों और विभिन्न शासकीय कार्यालयों में विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। साथ ही जनपद स्तर के स्थानीय बाजारों में भी इस शुद्ध देशी गुलाल का विक्रय किया जाएगा।

बिहान से जुड़ी इन महिलाओं के लिए यह केवल रंग बनाने का काम नहीं है, बल्कि यह उन्हें स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों पर ले जाने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है। इस प्रयास से न केवल बस्तर की महिलाओं की आय में वृद्धि होगी, बल्कि आम नागरिकों को भी रसायनों के खतरे से दूर एक सुरक्षित और खुशहाल होली मनाने का विकल्प मिलेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950